वर्ष-9//अंक-11//अगस्त 2022
ISSN 2454–5805
RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

आम आदमी पत्रिका

एक आम इंसान की सोच

गोमूत्र खरीदने वाला पहला राज्य छत्तीसगढ़

आजादी का अमृत महोत्सव

» 6

मुख्यमंत्री निवास में हरेली तिहार की धूम सीएम चढ़े गेड़ी पर

» 16

विश्व आदिवासी दिवस

» 24

महिंद्रा की नई स्कॉर्पियो-एन की बुकिंग शुरू

www.aamaadmi.in

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग

श्रीमती अनिला भेंड़िया
मंत्री, छ.ग. शासन
महिला एवं बाल विकास विभाग

अब 12 से 18 वर्ष के बच्चों के लिए भी कोरोना का टीका उपलब्ध है। अपने निकटतम टीकाकरण केन्द्र में संपर्क कर अपने बच्चों को कोरोना महामारी से सुरक्षित करें।

"कोरोना के बीमारी म हमर टीका पड़ही भारी"

इसके अलावा

- स्वच्छता का ध्यान रखें।
- बार-बार हाथ धुलवाने की आदत डालें।
- सुरक्षा के सभी उपाय अपनाएँ।

समझदारी में ही समाधान है.

15 अगस्त से 15 सितम्बर 2022 तक आयोग का विशेष अभियान

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा बालहित में जारी
प्लाट नं. 11 ब्लॉक नं. 10/8, रायगढ़ बाड़ा, सिविल लाईन्स, रायपुर (छ.ग.)
सम्पर्क 0771-2420093, 94, 95 टोल फ्री : 1800-233-0055
cgscpcr@gmail.com www.cgscpcr.com

R.o no- 12112/48

आम आदमी पत्रिका

वर्ष-9//अंक-11//अगस्त 2022

प्रबंध संपादक	: उमेश के बंसी
सर्कुलेशन इंचार्ज	: प्रकाश बंसी
रिपोर्टर	: नेहा श्रीवास्तव
कंटेंट राईटर	: प्रशांत पारीक
क्रिएटिव डिजाइनर	: देवेन्द्र देवांगन
मैग्जीन डिज़ाइनर	: युनिक ग्राफिक्स
मार्केटिंग मैनेजर	: किरण नायक
एडमिनिस्ट्रेशन	: निरूपमा मिश्रा
अकाउंट असिस्टेंट	: प्रियंका सिंह
ऑफिस कॉर्डिनेटर	: योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय
965/1 कक्कड़ चौक, श्याम नगर रोड, कटोरा तालाब,रायपुर, छत्तीसगढ़
फोन : 0771-4044047
ईल : khabar@aamaadmi.in

कार्यालय
प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक
उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम. रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

अनुक्रमणिका

अगस्त 2022

इस अंक में

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के महापुरूषों तथा आस्था के केंद्रों को जनभावनाओं के अनुरूप नई पहचान देने के लिए प्रदेश के तीन स्थानों चंदखुरी, गिरौदपुरी और सोनाखान का नाम बदलने के निर्देश दिए है. 5

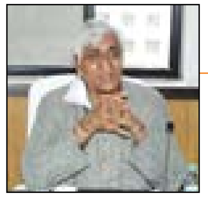

सिंहदेव ने दिया इस्तीफा ये क्या संकेत है! 9
टीएस सिंहदेव ने मुख्यमंत्री को चार पेज का इस्तीफा भेजा.

ऑटोवाले से सीएम तक का सफर 10
शिवसेना के बागी एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के नए सीएम बने...

बड़े काम का है ये मुनगा 17
भारत के विभिन्न भागों में मुनगा के पेड़ आसानी से देखे जा सकते हैं.

बिहार में बदली सरकार 18
नौ साल में दो बार राजनीतिक सहयोगी बदल चुके नीतीश...

अगस्त में लॉन्च होंगे ये स्मार्टफोन्स 22
स्मार्टफोन कंपनियां भारत में हर महीने नए स्मार्टफोन्स लाती है.

अमीर दोस्त हों तो धनी बनते हैं बच्चे 26
फेसबुक पर 21 अरब दोस्तों के अध्ययन के बाद निष्कर्ष निकाला.

महिलाओं की न्यूडिटी ठीक पर पुरुष की न्यूडिटी से इतनी समस्या क्यों?

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

आपने पहली बार किसी महिला को किसी मैग्जीन के कवर में न्यूड कब देखा था? थोड़ा जोर डालिए दिमाग पर .... शायद आपको याद ना हो, लेकिन प्लेब्वॉय ये कई दशकों से करती आ रही है और न्यूड फोटोशूट को लेकर हमेशा ही सुंदर मॉडल्स की तस्वीरें दिखाई जाती हैं. पर अगर आप पुरुषों की बात करें तो उनके न्यूड होते ही कई लोगों के मन में छी.. ये क्या देख लिया वाले विचार आते हैं.

किम कार्दशियन का न्यूड फोटोशूट याद है आपको जिसमें उन्होंने अपने बम में शैम्पेन का ग्लास रख लिया था? टाइटैनिक की केट विंसलेट याद हैं आपको जिनकी एक तस्वीर ही बिना सोशल मीडिया के इतना वायरल हो गया था. अरे वो सब छोड़िए राज कपूर की फिल्मों में मंदाकिनी का झरने वाला सीन हो या फिर सत्यम शिवम सुंदरम में जीनत अमान का सेमी न्यूड सीन हमने हमेशा फीमेल न्यूडिटी को लेकर चुप्पी साधे रखी है फिर रणवीर सिंह को लेकर इतना विवाद क्यों?

चौंक गए न? रणवीर सिंह उन गिने-चुने लोगों में से एक हैं जिन्हें हर मामले में ट्रोल किया जाता है, लेकिन उनकी पर्सनैलिटी किसी रैम्बो से कम नहीं है. अब आप सोच रहे होंगे कि भला ऐसे फोटोशूट के लिए उनकी तारीफ क्यों की जा रही है, लेकिन 2022 में अब तक जहां फीमेल न्यूडिटी को ऑब्जेक्टिफाइड होते देख लोगों की आंखें थक चुकी हैं वहीं रणवीर सिंह ने हमें बात करने का मौका दे दिया है.

रणवीर सिंह भारत के ही नहीं बल्कि दुनिया के उन गिने-चुने सेलेब्स में से एक हैं जो जेंडर फ्लूइडिटी को समझते हैं और Koffee ith KÔrÔ»»f में ये कहने से डरते नहीं हैं कि वो महिलाओं के सेक्शन से कपड़े उठाते हैं.

हमें क्यों पड़ता है रणवीर सिंह से इतना फर्क?

अब मुद्दे पर आते हैं और एक सवाल मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि अगर रणवीर सिंह न्यूड फोटोशूट करवा भी रहे हैं तो हमें इतना फर्क क्यों पड़ रहा है? अब 90ह्ल२ किड्स के साथ-साथ ओपिनियन देने लायक मिलेनियल्स भी हो गए हैं और सोशल मीडिया पर क्रांति लाने को हरदम तैयार रहने वाली फौज जेंडर फ्लूइडिटी, न्यूट्रैलिटी, फेमिनिज्म, मेल ऑब्जेक्टिफिकेशन जैसे भारी भरकम शब्दों का इस्तेमाल करती है पर फिर भी क्या इसके मतलब को समझने की कोशिश की है हमने? हमारी जनरेशन वो है जो ये मानती है कि क्रांति और समाज में बदलाव तो इसी जनरेशन से आया है, लेकिन फिर भी हम किसी के कपड़ों को लेकर उसे ट्रोल करते हैं. जियो और जीने दो वाला रूल तो छोड़िए यहां पर तो नया ही रूल स्थापित हो गया है, जो अपनी मर्जी से जी रहा है उसे ट्रोल करो. क्या हो जाएगा अगर आप रणवीर सिंह की इस तस्वीर को इग्नोर कर देंगे तो? शायद कुछ नहीं, जीवन में कुछ नहीं बदलेगा, लेकिन वो दुनिया जहां फीमेल न्यूडिटी को सराहा जाता है और ऐसी कोई तस्वीर मिल जाए तो उसे ना जाने कितनी बार शेयर किया जाता है वहां पर भला मेल न्यूडिटी को कैसे एक्सेप्ट किया जा सकता है.

चंदखुरी, गिरौदपुरी और सोनाखान अब जाने जाएंगे नए नाम से

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के महापुरूषों तथा आस्था के केंद्रों को जनभावनाओं के अनुरूप नई पहचान देने के लिए प्रदेश के तीन स्थानों चंदखुरी, गिरौदपुरी और सोनाखान का नाम बदलने के निर्देश दिए है. अब चंदखुरी को माता कौशल्याधाम चंदखुरी, गिरौदपुरी को बाबा गुरू घासीदास धाम गिरौदपुरी और सोनाखान को शहीद वीरनारायण सिंह धाम सोनाखान के नाम से जाना जाएगा. अनेक जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग लंबे समय से इन स्थानों का नाम बदलने की मांग कर रहे थे. राज्य शासन द्वारा शीघ्र ही राजपत्र में इन तीनों स्थानों के नए नामकरण संबंधी अधिसूचना का प्रकाशन किया जाएगा.

संसदीय सचिव सर्वश्री चंद्रदेव राय, गुरूदयाल सिंह बंजारे, इंद्रशाह मंडावी, यू. डी. मिंज तथा विधायक सर्वश्री बृहस्पत सिंह, गुलाब सिंह कमरो और डॉ. विनय जायसवाल ने आज मुख्यमंत्री से जनभावनाओं के अनुरूप गिरौदपुरी और सोनाखान का नाम बदलने का आग्रह करते हुए इस संबंध में अपना पत्र सौंपा था. छत्तीसगढ़ गौसेवा आयोग के अध्यक्ष राजेश्री डॉ. महंत रामसुंदर दास ने भी जनआस्था को देखते हुए हरेली के दिन 28 जुलाई को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर चंदखुरी का नाम माता कौशल्याधाम चंदखुरी करने का अनुरोध किया था. मुख्यमंत्री ने इन मांगों पर त्वरित निर्णय लेते हुए इन स्थानों के नए नामकरण के निर्देश दिए हैं.

रायपुर से लगे चंदखुरी में विश्व का इकलौता कौशल्या मंदिर है. वहां माता कौशल्या के साथ भगवान श्रीराम अपने बालरूप में विराजे हैं. छत्तीसगढ़ को माता कौशल्या का मायका और श्रीराम का ननिहाल माना जाता है. राज्य शासन ने देश-प्रदेश के लाखों लोगों के श्रद्धा के केंद्र चंदखुरी को श्रीराम वन गमन पर्यटन परिपथ में शामिल कर वहां तालाब के बीच स्थित माता कौशल्या मंदिर का जीर्णोद्धार और तालाब का सौंदर्यीकरण कराया है. तालाब के पास ही भगवान श्रीराम की विशालकाय प्रतिमा भी स्थापित की गई है.

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में स्थित गिरौदपुरी सतनाम पंथ के लाखों अनुयायियों की आस्था का केंद्र है. यह बाबा गुरू घासीदास की जन्मस्थली और तपोभूमि है. सतनाम समाज और स्थानीय लोग लंबे समय से गिरौदपुरी को बाबा गुरू घासीदास धाम गिरौदपुरी के नाम से प्रतिष्ठित करने की मांग कर रहे थे. मुख्यमंत्री ने आज उनकी यह बहुप्रतीक्षित मांग पूरी कर दी है.

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में ही स्थित सोनाखान 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के प्रथम शहीद वीरनारायण सिंह के नाम से जाना जाता है. अंग्रेजों द्वारा गिरफ्तारी के बाद 10 दिसम्बर 1857 को उन्हें रायपुर के जयस्तंभ चौक में फांसी दे दी गई थी. सोनाखान में जन्मे बिंझवार जनजाति के शहीद वीरनारायण सिंह की वीरता और गरीबों के लिए संघर्ष को अक्षुण्य रखने क्षेत्र के जनप्रतिनिधि लंबे समय से सोनाखान का नाम उनके नाम से जोड़ने की मांग कर रहे थे. सोनाखान के शहीद वीरनारायण सिंह धाम सोनाखान के रूप में नए नामकरण से क्षेत्रवासियों और जनजाति समाज की पुरानी मांग पूरी हो रही है.

मुख्यमंत्री निवास में हरेली तिहार की धूम

सीएम चढ़े गेड़ी पर

छत्तीसगढ़ी लोक संगीत, लोक नृत्य, खेल, मड़ई और व्यंजनों के साथराजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आज परंपरागत रूप से छत्तीसगढ़ के पहले त्यौहार हरेली धूमधाम से मनाई गई. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती मुक्तेश्वरी बघेल और अन्य परिजनों के साथ विधिवत रूप से ग्राम्य देवी-देवताओं, तुलसी माता, नांगर, खेती में काम आने वाले औजारों, गेड़ी और गौमाता की पूजा कर अच्छी फसल की कामना की. उन्होंने पूरे प्रदेशवासियों को हरेली पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दीं. पूरी तरह ग्रामीण परिवेश में सजे-धजे मुख्यमंत्री निवास में हरेली पर चारों ओर छत्तीसगढ़ी संस्कृति की छटा दिखाई दी. आयोजन में मौजूद लोगों ने छत्तीसगढ़ी लोक संगीत, लोक नृत्य, पारंपरिक गड़वा बाजा, राऊत नाचा, गेड़ी नृत्य, खेल, रैचुली और व्यंजनों का आनंद लिया.

हमर त्यौहार

मुख्यमंत्री निवास में बिखरी छत्तीसगढ़ी संस्कृति के रंग-बिरंगी छटा

छत्तीसगढ़ी लोक संगीत, लोक नृत्य, खेल, मड़ई और व्यंजनों के साथ

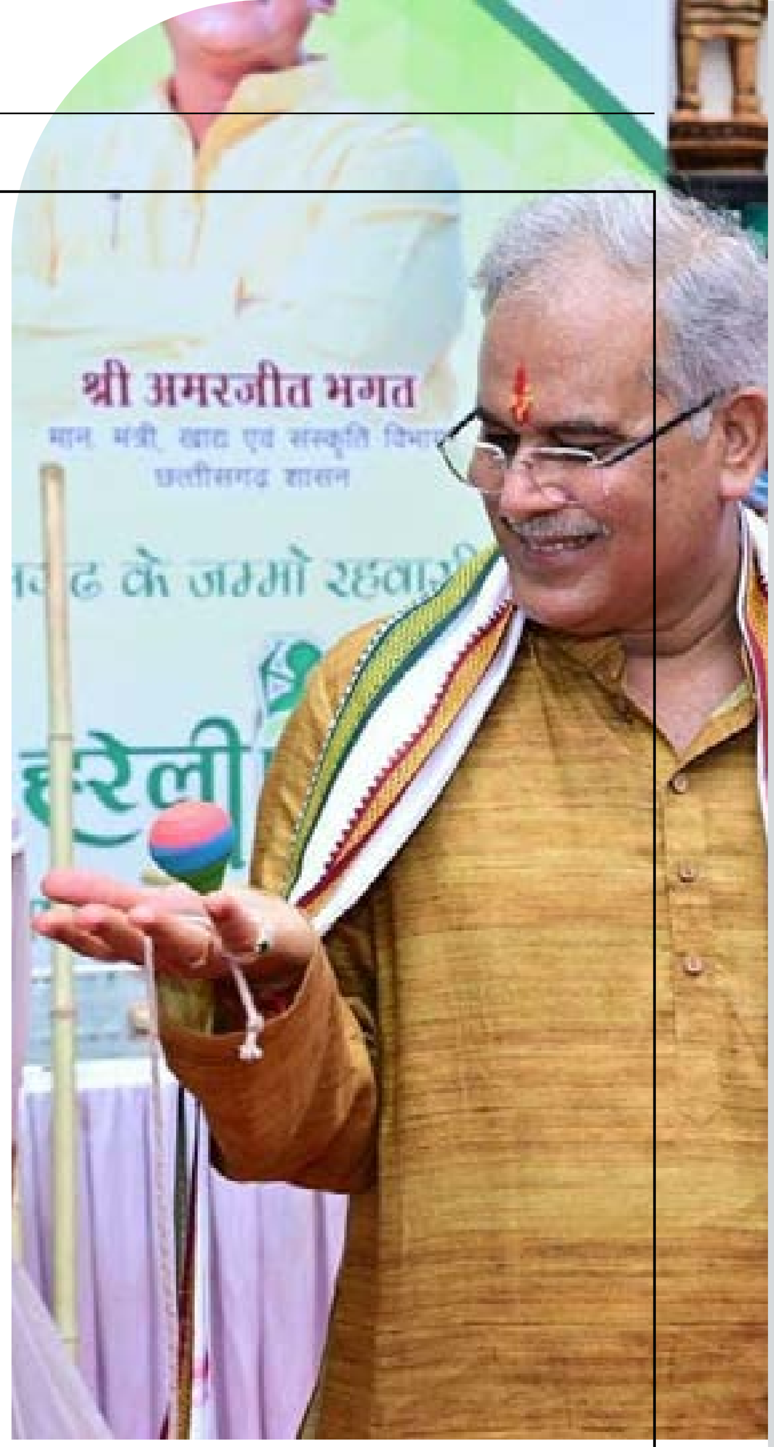

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लोक नृत्य कलाकारों के साथ गेड़ी नृत्य कर उनका उत्साह बढ़ाया. मुख्यमंत्री ने भौंरा में भी अपना हाथ आजमाया. उन्होंने अपनी बेटी के साथ रैचुली का भी आनंद लिया. कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, उद्योग मंत्री कवासी लखमा स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर, महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती किरणमयी नायक ने भी रैचुली का लुत्फ उठाया.

मुख्यमंत्री निवास में आयोजित हरेली पर्व के कार्यक्रम में गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, वन मंत्री मोहम्मद अकबर, उद्योग मंत्री कवासी लखमा, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया, संसदीय सचिव चिंतामणि महाराज, चन्द्रदेव राय, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत राजेश्री राम सुंदर दास, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक, राज्य खाद्य आपूर्ति निगम के अध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा विधायक सत्यनारायण शर्मा, अनूप नाग, चन्दन कश्यप, श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा महापौर श्री एजाज ढेबर, सभापति प्रमोद दुबे, पूर्व सांसद श्रीमती छाया वर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे.

“रायपुर. छत्तीसगढ़ के पंचायत मंत्री टीएस सिंहदेव ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को चार पेज का इस्तीफा भेजा. हालांकि सिंहदेव अपने प्रभार वाले बाकी विभागों में कैबिनेट मंत्री के रूप में बने रहेंगे. उधर, सिंहदेव के इस्तीफे पर छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने जवाब दिया है. उन्होंने कहा कि इस्तीफे के बारे में उन्हें मीडिया के जरिए पता चला. पत्र मिलने के बाद वह इस पर विचार करेंगे. इस्तीफे पर अभी तक मंत्री से उनकी कोई चर्चा नहीं हुई है. मैंने उन्हें फोन लगाया था लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया है.”

टीएस सिंहदेव ने दिया इस्तीफा
ये क्या संकेत है!

टीएस सिंहदेव के पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री पद से इस्तीफे ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस के अंदरूनी कलह को फिर से सामने ला दिया है. सिंहदेव ने शनिवार शाम 6 बजे सीएम भूपेश बघेल को अपना 4 पेज का इस्तीफा भेजा. पूर्व पंचायत मंत्री सिंहदेव के दावों के मुताबिक, मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के तहत सचिवों की एक समिति गठित कर अपना एकाधिकार स्थापित किया था. इस कमेटी की ओर से सभी प्रोजेक्ट्स को फाइनल अप्रूवल दिया जा रहा था.

सिंहदेव ने अपने इस्तीफे में और क्या लिखा

सिंहदेव ने मुख्यमंत्री को भेजे गए इस्तीफे में लिखा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य के लोगों को आवास उपलब्ध कराया जाना था, जिसके लिए मैंने आपसे कई बार चर्चा की और धनराशि आवंटन के लिए अनुरोध किया, लेकिन योजना के कार्यान्वयन के लिए राशि उपलब्ध नहीं कराई जा सकी. इस प्रकार राज्य के 8 लाख लोगों को कल्याण से वंचित करना ठीक नहीं है. इससे राज्य की लगभग 10 हजार करोड़ की अर्थव्यवस्था उत्पन्न होती. उल्लेखनीय है कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में एक भी घर का निर्माण नहीं हो सका है. बेघर लोगों के लिए और योजना की प्रगति स्थिर रही. सिंहदेव ने लिखा है कि मंत्री की स्वीकृति के बाद मुख्य सचिव की समिति द्वारा अंतिम निर्णय लेने के लिए एक प्रक्रिया की गई, जो प्रोटोकॉल के विपरीत है. मैंने समय-समय पर लिखित में आपत्ति दर्ज की है, लेकिन इस प्रणाली में कोई सुधार नहीं हुआ. जिसके परिणामस्वरूप 500 करोड़ से अधिक का विकास कार्यों नहीं हो सका. वर्तमान में पंचायतों में कई विकास कार्य प्रारंभ नहीं हुए हैं.

सिंहदेव का इस्तीफा क्या संकेत दे रहा है?

छत्तीसगढ़ के पूर्व पंचायत मंत्री टीएस सिंहदेव के इस्तीफ के बाद ये संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी की अंतर्कलह कभी शांत ही नहीं हुई थी. यह केवल समय के साथ और बढ़ी है. राज्य के दो दिग्गजों के बीच बढ़ती असमानता उपेक्षित बनी हुई है. सूत्रों का यह भी कहना है कि टीएस सिंहदेव मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा के साथ राहुल और प्रियंका गांधी के साथ कई बैठकें कर चुके हैं.

ठाणे के ऑटोवाले से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तक का सफर

एकनाथ शिंदे का सफरनामा

कभी ऑटो चलाते थे शिंदे

> भारतीय जनता पार्टी के सहयोग से शिवसेना के बागी एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री बन गए हैं. एकनाथ शिंदे कभी शिवसेना के मजबूत स्तंभ माने जाते थे. लेकनि उद्धव ठाकरे के एनसीपी और कांग्रेस के साथ गठबंधन करने और बेटे आदत्यि ठाकरे को अधकि तवज्जो देने के चलते शदिं नाराज थे. उनके साथ शिवसेना के बाकी वधायक भी ठाकरे से नाराज हुए और अब अलग होकर नई सरकार बना ली है. आइए जानते हैं एकनाथ शदिं के बारे में.

महाराष्ट्र की राजनीति में आए भूचाल के बीच अगर किसी एक शख्स का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है तो एकनाथ शिंदे का. 2019 में मुख्यमंत्री पद को लेकर भी उनके नाम की काफी चर्चा हुई थी. शिवसेना विधायक दल की बैठक में आदित्य ठाकरे ने शिंदे के नाम का प्रस्ताव रखा और वह विधायक दल के नेता भी चुन लिए गए. मगर बाद में उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने, शिंदे उद्धव सरकार में शहरी विकास मंत्री बने. 58 साल के एकनाथ शिंदे सातारा के हैं. वह पढ़ाई के लिए ठाणे आए. यहां शुरू में वह ऑटो रिक्शा चलाते थे. उसी दौरान एक बार उनकी मुलाकात शिवसेना नेता आनंद दिघे से हुई. यह मुलाकात शिंदे के जीवन का टर्निंग पॉइंट साबित हुई और महज 18 साल की उम्र में शिंदे का राजनीतिक जीवन शुरू हो गया.

1997 में ठाणे नगर निगम चुनाव में बतौर पार्षद जीते

एकनाथ शदिं शिवसेना कार्यकर्ता के रूप में काम करने लगे. 1997 में शिंदे को ठाणे नगर निगम चुनाव में बतौर पार्षद चुनाव लड़ने का मौका मिला. यह उनका पहला चुनाव था और वह जीत कर पार्षद बन गए. फिर 2001 में वह नगर निगम सदन में विपक्ष के नेता बने. जब वह पार्षद थे, तब एक एक्सिडेंट में उन्होंने अपने 11 साल के बेटे और सात साल की बेटी को खो दिया. उनके दूसरे बेटे श्रीकांत उस वक्त 13 साल के थे. श्रीकांत अभी शिवसेना सांसद हैं.

नारायण राणे के बाद शिवसेना में बढ़ा कद

शिंदे शिवसेना में धीरे-धीरे आगे बढ़े. जब साल 2005 में नारायण राणे ने शिवसेना छोड़ी, तो शिंदे के लिए पार्टी में आगे बढ़ने का अच्छा मौका बना. फिर जब राज ठाकरे ने शिवसेना छोड़कर अपनी अलग पार्टी बनाई, उसके बाद ठाकरे परिवार से शिंदे की करीबी बढ़ने लगी. शिंदे ने शिवसेना के टिकट पर 2004 का विधानसभा चुनाव ठाणे सीट से लड़ा. इस चुनाव में शिंदे को जीत मिली. इसके बाद 2009, 2014 और 2019 के चुनावों में भी शिंदे ने जीत दर्ज की. वह देवेंद्र फडणवीस की सरकार में राज्य के लोक निर्माण मंत्री रहे.

शिंदे पर दर्ज हैं 18 आपराधिक मामले

पिछला विधानसभा चुनाव लड़ने के दौरान एकनाथ शिंदे ने जो हलफनामा दायर किया, उसके मुताबिक उन पर 18 आपराधिक मामले भी चल रहे हैं. शिंदे के पास 11 करोड़ 56 लाख से ज्यादा की संपत्ति है. इसमें 2.10 करोड़ की चल और 9.45 करोड़ की अचल संपत्ति घोषित की गई थी. सामान्य कार्यकर्ता के तौर पर राजनीति की शुरूआत कर शिंदे आज इस मुकाम पर हैं कि इस वक्त पूरे महाराष्ट्र की राजनीति उनके इर्द-गिर्द घूमती दिख रही है. शिवसेना पर गंभीर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं और शिंदे महाराष्ट्र की राजनीति से निकलकर राष्ट्रीय फलक पर चर्चा का केंद्र बिंदु हो गए हैं.

आजादी का अमृत महोत्सव स्वतंत्रता सप्ताह में हर घर फहराया तिरंगा

भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न आजादी का अमृत महोत्सव के तहत देश भर में कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 मार्च 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव की शुरूआत साबरमती आश्रम से एक पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर की थी.

दरअसल, 12 मार्च 1930 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने नमक सत्याग्रह की शुरूआत की थी. 2020 में नमक सत्याग्रह के 91 वर्ष पूरे होने पर केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय ने 75 किलोमीटर की पदयात्रा का आयोजन किया था. इस महोत्सव की रूपरेखा तय करने के लिए गृहमंत्री की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय क्रियान्वयन समिति बनाई गई थी. देश की 75 वीं वर्षगांठ का मतलब 75 साल पर विचार, 75 साल पर उपलब्धियां, 75 पर एक्शन और 75 पर संकल्प शामिल हैं, जो स्वतंत्र भारत के सपनों को साकार करने के लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा देंगे. 12 मार्च, 2021 को शुरू हुआ ह्यआजादी का अमृत महोत्सवह्न 15 अगस्त, 2022 को खत्म होगा.

अब तक 3500 कार्यक्रमों में 4.5 करोड़ लोगों ने भाग लिया

भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न 12 मार्च, 2021 को शुरू हुआ और अब तक 3500 कार्यक्रमों में 4.5 करोड़ लोगों ने भाग लिया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 और 23 जुलाई को स्वतंत्रता सेनानियों मंगल पांडे और चंद्रशेखर आजाद की जयंती और 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस और 9 अगस्त को काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए.

12 मार्च से क्यों शुरू हुआ आजादी का अमृत महोत्सव

12 मार्च 1930 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने नमक सत्याग्रह की शुरुआत की थी. 2020 में नमक सत्याग्रह के 91 वर्ष पूरे होने के पर प्रधानमंत्री मोदी ने साबरमती आश्रम से अमृत महोत्सव की शुरुआत एक पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर की थी. 15 अगस्त, 2022 को देश की आजादी के 75 साल पूरे होने जा रहे हैं. इसी बात को ध्यान में रखते हुए 75वीं वर्षगांठ से एक साल पहले यानी 15 अगस्त 2021 से इन कार्यक्रमों को शुरुआत की गयी थी. जिसमें देश की अदम्य भावना के उत्सव दिखाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए. इनमें संगीत, नृत्य, प्रवचन, प्रस्तावना पठन (प्रत्येक पंक्ति देश के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली विभिन्न भाषाओं में) शामिल हैं.

भ्रष्टाचार और भाई भतीजावाद का जिक्र

पीएम मोदी ने कहा कि मैं जब परिवारवाद की बात करता हूं तो लोगों को लगता है कि सिर्फ राजनीति की बात करता हूं. लेकिन ऐसा नहीं है, मैं जब परिवारवाद की बात करता हूं, तो यह सभी क्षेत्रों की बात होती है. प्रधानमंत्री ने युवाओं से अपील की कि भाई-भतीजावाद के खिलाफ जंग में साथ दें. उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं हमारी इन चुनौतियों, विकृतियों, बीमारियों के कारण 25 साल का अमृत काल, अगर समय रहते नहीं चेते तो विकराल रूप ले सकते हैं. पीएम मोदी ने कहा कि एक है भ्रष्टाचार, दूसरा परिवारवाद- भाई भतीजावाद.

पहले खेलों में भी भाई-भतीजावाद था

पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया के देशों में हमारा तिरंगा लहराता है. पहले खेलों में भी भाई-भतीजावाद चलता था. आज ये नहीं है. हमारे खिलाड़ी दुनिया में भारत का नाम रोशन कर रहे हैं.

परिवारवाद से केवल परिवार का फायदा

पीएम ने कहा कि सह हर संस्था में देखने को मिलता है. कई संस्थाओं में है जिसके कारण नुकसान उठाना पड़ता है. यह भी भ्रष्टाचार का कारण बन जाता है. इस परिवारवाद और भाई-भतीजावाद से हमें बचना होगा. राजनीति में भी परिवारवाद देखने को मिलती है. परिवारवाद से केवल परिवार का फायदा होता है देश का नहीं.

लाल किले से पीएम मोदी ने 9वीं बार तिरंगा फहराया

भारत इस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आजादी का 75वां सालगिरह मना रहा है. स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से लगातार 9वीं बार तिरंगा फहराया है. गौरव के इस अहम मौके पर पीएम मोदी ने देशवासियों को संबोधित भी किया. संबोधन से जुड़ी कुछ अहम बातें ...

भ्रष्टाचार से हर हाल में लड़ना होगा

पीएम मोदी ने लाल किले से भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि इन दोनों चीजों से हमें बचना चाहिए. भ्रष्टाचार से हर हाल में लड़ना होगा. पिछली सरकारों में बैंको को लूटकर जो भाग गए, उन्हें पकड़ने का काम जारी है. बैंको को लूटने वालों की संपततियां जब्त की जा रही है. जिन्होंने देश को लूटा उन्हें वो लौटाना होगा.

नारी शक्ति आज हर ओर सिरमौर

पीएम मोदी ने कहा कि नारी शक्ति आज हर ओर सिरमौर है. 25 साल नारी शक्ति के लिए स्वर्णकाल होगा. बेटियों को ज्यादा अवसर देंगे तो लाभ मिलेगा.

भारत 5 जी के साथ बढ़ रहा है

पीएम मोदी ने कहा कि हम 5 जी की ओर बढ़ रहे हैं. इंटनेट फाइवर गांवों तक पहुंच रहा है. हम डिजिटल इंडिया की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं. कई कामन सेंटर गांवों में चल रहे हैं. डिजिटल क्रांति से विश्व बढ़ रहा है.

गोमूत्र खरीदने वाला पहला राज्य बना छत्तीसगढ़

रायपुर. छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार गोबर के बाद अब गोमूत्र खरीदने वाला पहला राज्य बन गया है. हरेली तिहार के मौके पर गुरुवार से गो-मूत्र की खरीदी शुरू हुई. पायलट प्रोजेक्ट के तहत हर जिले के 2 गोठानों में गौ-मूत्र की खरीदी करेगी. कृषि विकास कल्याण और जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा गो-मूत्र खरीदने 4 रुपये प्रति लीटर कीमत तय की गई है.

खरीदे गए गो-मूत्र से जीवामृत और कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाएंगे. सीएम भूपेश बघेल दुर्ग जिले से इसकी शुरूआत करेंगे. पाटन विकासखंड के करसा गांव में हरेली तिहार पर कृषि सम्मेलन कार्यक्रम रखा गया है, जहां सीएम शामिल होंगे. रायपुर जिले में गोमूत्र की खरीदी अभनपुर विकासखंड के नवागांव (ल) और आरंग विकासखंड के ग्राम बड़गांव के गोठान से शुरू की जाएगी. गोधन न्याय मिशन के प्रबंध संचालक डॉ. अय्याज तम्बोली ने सभी कलेक्टरों को गोठानों में गो-मूत्र की खरीदी को लेकर निर्देश जारी किए हैं. गो-मूत्र की खरीदी गोठान प्रबंधन समिति स्वयं के बैंक खातों में जमा गोधन न्याय योजना से प्राप्त राशि और चक्रीय निधि ब्याज की राशि से करेंगी. सभी कलेक्टरों को अपने-अपने जिले के 2 गोठानों, स्व-सहायता समूह का चयन करने कहा गया था, जहां से योजना की शुरूआत की जाएगी.गो-मूत्र परीक्षण संबंधी किट एवं जीवामृत, कीट नियंत्रक उत्पाद के भंडारण की व्यवस्था की गई है. हरेली तिहार के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल गोठानों से जुड़े प्रदेश के 7442 कम्पोस्ट उत्पादक महिला स्व-सहायता समूहों तथा सहकारी समितियों को 17 करोड़ रुपये बोनस वितरण करेंगे.

दो साल पहले शुरू हुई थी गोबर खरीदी

बता दें कि 2 साल पहले 20 जुलाई 2020 को प्रदेश में हरेली पर्व के दिन से ही गोधन न्याय योजना के तहत गोठानों में 2 रुपये प्रति किलो की दर से गोबर खरीदी की शुरूआत हुई थी. गोबर से गोठानों में अब तक 20 लाख क्विंटल से अधिक वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट, सुपर प्लस कम्पोस्ट महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा चुके हैं, जिससे प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा मिला है. गो-मूत्र की खरीदी राज्य में जैविक खेती के प्रयासों को और आगे बढ़ाने में मददगार साबित होगी. पशुपालकों को गो-मूत्र बेचने से अतिरिक्त आय होगी यानी आर्थिक लाभ वाले व्यापार से जुड़ जाएंगे.

2 साल में 150 करोड़ रुपये की गोबर खरीदी

महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गो-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा. जीवामृत और गो-मूत्र का उपयोग किसान रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी. उत्पादन में विषाक्तता में कमी आएगी. इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग 2 सालों में 150 करोड़ से अधिक की गोबर की खरीदी की गई है.

विश्व आदिवासी दिवसः

मुख्यमंत्री ने प्रदान किए टाइगर रिजर्व में सामुदायिक वन संसाधन के अधिकार

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक बड़ी पहल करते हुए आज मुख्यमंत्री निवास में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के दो बड़े टाइगर रिजर्व में कोर एवं बफर क्षेत्र में वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम 2006 के तहत 10 ग्राम सभाओं के सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र प्रदान किए. इसमें अचानकमार टाइगर रिजर्व की 5 ग्राम सभाएं एवं सीतानदी उदंती क्षेत्र की 5 ग्राम सभाएं शामिल हैं.

अचानकमार टाइगर रिजर्व के जिन 5 ग्राम सभाओं के अधिकार प्रदान किए गए हैं. वो मुंगेली जिला के क्षेत्र है, जिसमें से 4 गांव कोर एवं 1 गांव बफर क्षेत्र का है, इनमें महामाई ग्राम सभा को 1384.056 हेक्टेयर, बाबूटोला ग्राम सभा को 1191.6 हेक्टेयर, बम्हनी ग्राम सभा को 1663 हेक्टेयर, कटामी ग्राम सभा को 3240 हेक्टेयर एवं मंजूरहा ग्राम सभा को 661.74 हेक्टेयर पर सामुदायिक वन संसाधन अधिकार प्रदान किए गए हैं.

अचानकमार टाइगर रिजर्व से आनंद एक्का, फूल सिंह बैगा, तितरू सिंह मरावी, मान सिंह बैगा, दिलहरण टेकाम, अघन सिंह मरावी, मंगल सिंह एक्का, संतोष मरावी, नवल प्रजापति और फिरतु राम बैगा ने यह अधिकार पत्र मुख्यमंत्री से प्राप्त किया और शहद भेंट कर उनके प्रति आभार प्रकट किया.

इसी के साथ सीतानदी उदंती टाइगर रिजर्व में राज्य में पहली बार एक साथ संयुक्त रूप से सामुदायिक वन संसाधन अधिकार धमतरी जिले के सीतानदी टाइगर रिजर्व की तीन ग्राम सभा लिखमा, बनियाडीह, मैनपुर को 1811.53 हेक्टेयर में मान्य किया गया है. उल्लेखनीय है कि बरसो से इनकी पारंपरिक सीमाए एक ही है, परन्तु आबादी बढ़ने के कारण इन्हें तीन गाँव में विभक्त कर दिया गया था, इसलिए वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम 2006 के तहत इन्होने एक साथ वन संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन, परिरक्षण और प्रबंधन का निर्णय लिया है.

अधिकार पत्र प्राप्त कर ग्राम सभा लिखमा, बनियाडीह, मैनपुर के निवासियों ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद सीतानदी से आये जिला पंचायत सदस्य मनोज साक्षी, दुलार सिंह समरथ, नरेश कुमार कश्यप और रमेश कुमार नेताम ने मुख्यमंत्री को महुआ की माला पहना कर उन्हें अधिकार पत्र मान्य करने के लिए धन्यवाद दिया. टाइगर रिजर्व के उदंती क्षेत्र के हिस्से में जो गरियाबंद जिले में पड़ता है, उसके बफर क्षेत्र से भी मुख्यमंत्री ने दो सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र प्रदान किए हैं, जिसमें विशेष रूप से पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी के गोद ग्राम कुल्हाड़ीघाट प्रमुख है जिसे 1321.052 हेक्टेयर पर अधिकार पत्र शामिल हैं. ग्राम सभा कठवा को भी 1254.57 हेक्टेयर के मुख्यमंत्री ने वन संसाधन अधिकार पत्र प्रदाय किया. कमार समाज के अध्यक्ष बनसिंह सोरी और धनमोती सोरी, दामोदर मरकाम और नोहर सिंह सोरी ने मुख्यमंत्री को विशेष पिछड़ी जनजाति के लिए किए गए कार्यों के लिए कृतज्ञता व्यक्ति की और विशेष संरक्षित जनजाति समूह के युवाओं को शासकीय नौकरी प्रदान करने निर्णय के लिए धन्यवाद दिया. गौरतलब है कि मुख्यमंत्री द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर कुल 12,527.548 हेक्टेयर क्षेत्रफल के सामुदायिक वन संसाधन अधिकार देकर टाइगर रिजर्व की ग्राम सभाओं को अपने वन क्षेत्र की सुरक्षा, संरक्षण, संवर्धन,

सब्जी के रूप में उपयोग किए जाने वाला मुनगा अब दुधारू पशुओं के लिए हाइजैनिक फूड की तरह इस्तेमाल किए जा रहे हैं. भारत के विभिन्न भागों में मुनगा के पेड़ आसानी से देखे जा सकते हैं. ये गरमी के मौसम के शुरुआती समय में फली के रूप में फल देना शुरू कर देते हैं. इस के फल पेड़ पर कई दिनों तक रहते हैं और जल्दी खराब भी नहीं होते हैं.

बड़े काम का है ये मुनगा

इस पेड़ की फली व पत्ती में कार्बोहाईड्रेट, प्रोटीन, विटामिन-ए, बी व सी, कैल्शियम, फास्फोरस व लौह तत्त्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं. इस की एक ग्राम फली में नारंगी से 4 गुना ज्यादा विटामिन-सी, गाजर से 4 गुना ज्यादा विटामिन-ए, दूध से 4 गुना ज्यादा कैल्शियम, केले से 3 गुना पोटैशियम, जई से 4 गुना ज्यादा रेशा व पालक से 9 गुना ज्यादा लोहा पाया जाता है.

मुनगा के बीज

बीजों से 40 फीसदी खाद्य तेल निकलता है, जो गुणवत्ता में ओलिव औयल के समान होता है. बीजों के चूर्ण का उपयोग गंदे पानी को फिटकरी के मुकाबले ज्यादा साफ करता है और बैक्टीरिया को हटाता है. मलावी और अफ्रीका में इस के बीजों से बड़े पैमाने पर पानी साफ किया जाता है. मुनगा के बीजों का तेल सूखी त्वचा के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जो एक मौश्चराइजर का काम करता है. इस का पेस्ट बना कर खुरदुरी और एलर्जिक त्वचा को बेहतर बनाया जा सकता है. इतना ही नहीं, इस के बीजों का तेल शिशुओं की मालिश के लिए इस्तेमाल किया जाता है. त्वचा साफ करने के लिए मुनगा के बीजों का सत्त्व कौस्मैटिक उद्योगों में बेहद लोकप्रिय है.

घरेलू कामों में इस्तेमाल

महिलाएं मुनगा से कई प्रकार की सब्जियां बनाती हैं. इस के फूलों को भी कई जगहों पर खाने में इस्तेमाल किया जाता है. कुछ लोग इस की फली को दाल में डाल कर पका कर भी सेवन करते हैं. सहज के पेड़ की छाल के रेशों से कागज, चटाई, रस्सी व दूसरे सामान बनाने के उपयोग में लाया जाता है. मुनगा की बड़ी फलियां पानी की टंकी में डालने से पानी में सभी तरह के कीटाणुओं को मार कर जल को साफ कर देता है.

पशुओं के लिए लाभकारी

सब्जी के रूप में उपयोग किए जाने वाले मुनगा अब दुधारू पशुओं के लिए हाइजैनिक फूड की तरह इस्तेमाल किए जा रहे हैं. आईसीएआर के एक शोध से पता चला है कि मुनगा के प्रयोग से पशुओं के दूध में दोगुनी वृद्धि होती है. यह पशुओं का बांझपन रोग भी खत्म करने में सक्षम औषधि है. दुधारू पशुओं के लिए मुनगा को हरा चारा या सूखे पाउडर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है.

मुनगा का अचार

एकदम कच्ची और बिना बीज वाली नरमनरम मुनगा की फलियों से अचार बनाया जाता है, जो खाने में बहुत स्वादिष्ठ होता है. दूसरे फलों की तरह इस का अचार बना कर बिना मौसम स्वाद लिया जा सकता है.

सामग्री : मुनगा की फली 300 ग्राम, नमक स्वादानुसार, सरसों का तेल 1/3 कप, हींग 2-3 चुटकी, हलदी पाउडर 1 छोटा चम्मच, सौंफ पाउडर 1 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर 1/4 छोटा चम्मच, काली मिर्च पाउडर 1/4 छोटा चम्मच, पीली सरसों दरदरी पिसी हुई 2 छोटा चम्मच, सिरका 1 चम्मच.

अचार बनाने की विधि

सारी फलियों को धो कर एक इंच्च तक लंबा काट कर सुखा लें. अब एक चम्मच नमक डाल कर एक डब्बे में बंद कर 3 दिनों तक के लिए रख दें और हर रोज एक बार हिला दें. 3 दिन बाद अचार बनाने की प्रक्रिया शुरू करें. इस के लिए तेल को किसी पैन में तेज गरम कर के उतार कर हलका ठंडा कर के इस में हींग, हलदी पाउडर, सौंफ पाउडर डाल कर मिला लें, फिर मुनगा की फली डाल कर मिला दें. नमक, लाल मिर्च पाउडर, सरसों पाउडर और काली मिर्च पाउडर डाल कर मिलाएं और सिरका भी डाल दें. एक हफ्ते बाद इस का इस्तेमाल करें और इसे आप 2 महीने तक इस्तेमाल में ला सकते हैं.

बिहार में बदली सरकार

क्या उद्धव ठाकरे का हाल देख डर गए नीतीश कुमार

राजनीतिक हलचल

"बीते नौ साल में दो बार राजनीतिक सहयोगी बदल चुके नीतीश कुमार ने एक आखिरकार एक बार फिर पाला बदल लिया. अब वे महागठबंधन का हिस्सा बन कर बिहार में अपनी सरकार बनाएंगे, जिसका साथ उन्होंने पांच साल पहले छोड़ दिया था. पटना. राजनीतिक घमासान के बीच जदयू ने साथ छूटने का ठीकरा बीजेपी के सिर फोड़ा है. मंगलवार को पटना के 1, अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर जेडीयू विधायक दल की बैठक बुलाई गई. आरसीपी सिंह प्रकरण की चर्चा करते हुए इसे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कमजोर करने की साजिश करार दिया गया."

बीजेपी से अलग होने का निर्णय करते हुए विधायकों ने नीतीश कुमार को एक नये गठबंधन के लिए अधिकृत कर दिया. नीतीश कुमार ने बैठक के दौरान अपने सांसदों व विधायकों से साफ कहा कि बीजेपी ने जेडीयू को अपमानित करने के साथ ही हमेशा कमजोर करने की कोशिश की. बीजेपी ने अब तक धोखा ही दिया है. राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक दल के नेता व लालू प्रसाद के छोटे पुत्र तेजस्वी यादव ने करीब 115 विधायकों का समर्थन पत्र नीतीश कुमार को सौंपा है, जिनमें राजद के अलावा कांग्रेस और वामदल भी शामिल है. वहीं, जेडीयू संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने ट्वीट कर नये गठबंधन के लिए नीतीश कुमार को बधाई देते हुए कहा है कि नीतीश जी आगे बढ़िए, देश आपका इंतजार कर रहा है. लालू की बेटियों ने भी अपने भाई तेजस्वी को बधाई दी है.

दोपहर बाद करीब चार बजे नीतीश कुमार ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल फागू चौहान को अपना इस्तीफा सौंप दिया. वर्तमान में बिहार विधानसभा की 243 सीटों में राजद के 79, बीजेपी के 77, जेडीयू के 45, कांग्रेस के 19, वामदलों के 16, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के चार तथा एआइएमआइएम के एक और एक निर्दलीय विधायक हैं, जबकि मोकामा (पटना) के राजद विधायक अनंत सिंह के सजायाफ्ता होने से एक सीट खाली है.

काफी पुराना है तल्खी का सिलसिला

बिहार की सियासत में इस दिन की भूमिका काफी पहले से तैयार हो रही थी. राज्य में सत्तारूढ़ नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) के दो प्रमुख घटक बीजेपी व जेडीयू की तनातनी कई बार साफ दिखी. यह सिलसिला 2019 के आम चुनाव के बाद से ही शुरू हो गया, जब जेडीयू को केंद्रीय मंत्रिमंडल में मांग के अनुरूप तीन सदस्यों के लिए जगह नहीं मिली. इसके बाद 2020 के विधानसभा चुनाव में स्वयं को नरेंद्र मोदी का हनुमान कहने वाले चिराग पासवान की भूमिका ने जख्म को गहरा करने में अहम भूमिका निभाई. उस वक्त चिराग पासवान एक तरफ तो एनडीए में रहने की बात कह रहे थे और दूसरी तरफ नीतीश सरकार पर निशाना भी साध रहे थे. उन्होंने चुन-चुन कर जेडीयू के हिस्से की 115 में से अधिकतर सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए जो जेडीयू के लिए परेशानी का कारण बन गए और पार्टी 71 से घटकर महज 43 सीट पर सिमट गई. जेडीयू की नजर में यह बीजेपी की मिलीभगत थी. इसके बाद बोचहां विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव के दौरान जिस तरह दबी जुबान से ही सही केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय को मुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चा तेज हुई, वह जेडीयू को नागवार गुजरनी ही थी. इस बार विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा के साथ हुई तीखी बहस से भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार असहज थे कि चिराग पासवान को राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर एनडीए की बैठक में बुला कर बीजेपी ने उन्हें नाराज कर दिया. बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल को लेकर भी नीतीश कुमार भी कभी सहज नहीं रहे. पीएम नरेंद्र मोदी के एक देश, एक चुनाव यानी विधानसभा व लोकसभा चुनाव एक साथ कराये जाने के मुद्दे पर भी नीतीश बीजेपी के विरोध में थे. इसी तरह बिहार कैबिनेट के विस्तार में भी बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व की दखलंदाजी व उनसे राय नहीं लिया जाना उन्हें नागवार गुजरा था. ऐसा नहीं है कि नीतीश कुमार की नाराजगी दूर करने की बीजेपी की ओर से कोई कोशिश नहीं की गई. इसी सिलसिले में बीते पांच मई को केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अचानक पटना पहुंच कर मुख्यमंत्री से मुलाकात की. कहा गया कि बीजेपी ने राष्ट्रपति चुनाव के बाद कार्रवाई का भरोसा भी नीतीश को दिया, लेकिन उसके अनुसार कुछ हुआ नहीं.

नड्डा के बयान से चौंका जेडीयू

भले ही पिछले विधानसभा चुनाव की जीत की खुशी में जेडीयू ने चिराग पासवान के मुद्दे को उतनी तवज्जो नहीं दी, लेकिन जेडीयू ने उस वक्त ही आर-पार का मूड बना लिया जब सात मोर्चों के साथ संयुक्त बैठक कर केंद्रीय योजनाओं की हकीकत तलाशने के बहाने जुलाई के अंतिम हफ्ते में अमित शाह व जेपी नड्डा बिहार आए. अमित शाह ने तो अगला चुनाव नीतीश कुमार के साथ मिलकर लड़ने की बात कही, वहीं नड्डा ने कहा कि बड़ी पार्टियां ही रह जाएंगी, क्षेत्रीय दलों का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा.

इस बीच अपने ही दल के पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह के साथ मिलकर बीजेपी के कथित साजिश की बू ने जेडीयू की इस धारणा को मजबूत कर दिया कि बीजेपी महाराष्ट्र की तर्ज पर यहां भी ह्यएकनाथ शिंदेह्न तैयार कर रही है. जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने चिराग मॉडल का उल्लेख करते हुए कहा भी कि राज्य में एक बार फिर चिराग मॉडल पर पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह के साथ मिलकर काम चल रहा था. जेडीयू अध्यक्ष का कहना था कि उनके पास यह कहने के पर्याप्त सुबूत है कि पार्टी को तोड़ने की साजिश रची जा रही थी.

हमेशा दूसरा रास्ता खुला रखते हैं नीतीश

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार नीतीश कुमार हमेशा ही दबाव से बचने के लिए दूसरा रास्ता खुला रखते हैं. यही वजह है कि पिछले दो दशक से बिहार की राजनीति उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमती रही है. बीते 20 साल में सात बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले नीतीश कुमार अपने तरीके से एक तरह की स्वतंत्र राजनीति करते रहे हैं.

नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर एक वरीष्ठ बीजेपी नेता कहते हैं, ह्यह्यलालू विरोध की राजनीति कर नीतीश कुमार सत्ता तक पहुंचे, लेकिन उन्हें तब बुरा नहीं लगा, जब उनकी मदद से ही उन्होंने सरकार बना ली. तब लालू परिवार भ्रष्टाचारी नहीं था. अब दो साल सरकार चलाने के बाद बीजेपी उन्हें षड्यंत्रकारी दिखने लगी. उनका इतिहास ही ऐसा रहा है. जार्ज फर्नांडीस, शरद यादव से लेकर आरसीपी तक, किसको उन्होंने छोड़ा. पता नहीं कब और कौन उन्हें अच्छा लगे और वह फिर बुरा बन जाए.

जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार का कहना है, ह्यह्यहमारे नेता नीतीश कुमार का कद छोटा करने की कोशिश की गई. यह छोटे से छोटे कार्यकर्ता को भी मंजूर नहीं है. जेडीयू प्रवक्ता के मुताबिक पार्टी को लग रहा था कि मोदी-शाह की इस बीजेपी में सहयोगियों के लिए उतना सम्मान नहीं रह गया है. ये येन-केन-प्रकारेण सत्ता हथियाने के पक्षधर हैं. इसलिए जैसे ही अपने पुराने अध्यक्ष आरसीपी की गतिविधियां पुष्ट हुईं, पार्टी ने उन्हें दोबारा राज्यसभा का उम्मीदवार नहीं बनाया.

हालांकि, इसके साथ ही यह कहने वाले भी कम नहीं है कि ललन सिंह व उपेंद्र कुशवाहा ने केंद्रीय मंत्री नहीं बनाए जाने की खुन्नस में सारा ठीकरा आरसीपी पर फोड़ते हुए बीजेपी से बदला साधा है. अगर नीतीश कुमार को लालू या उनके बेटे तेजस्वी इतने ही पसंद थे तो 2017 में उनका साथ क्यों छोड़ते. वरिष्ठ पत्रकार एसके पांडेय कहते हैं, ह्यह्यसवाल राजनीतिक अस्तित्व का था, इसलिए यह तो होना ही था.

सिंगापुर नहीं जा पाए अरविंद केजरीवाल दिल्ली सरकार ने केंद्र को ठहराया जिम्मेदार

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सिंगापुर नहीं जा पाए. उपराज्यपाल और केंद्र सरकार से जरूरी अनुमति मिलने में बहुत समय लग गया, जिसके चलते औपचारिकताएं पूरी करने का समय ही निकल गया. दिल्ली सरकार ने इसके लिए औपचारिक बयान जारी कर केंद्र सरकार को दोषी ठहराया है. दिल्ली सरकार के बयान में बताया गया कि 20 जुलाई तक सिंगापुर यात्रा की औपचारिकताएं पूरी करनी थी, जबकि उपराज्यपाल ने 21 जुलाई को फाइल लौटाई. मुख्यमंत्री की सिंगापुर यात्रा पर दिल्ली सरकार ने बयान जारी कर कहा है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल यदि सिंगापुर में आयोजित होने जा रहे वर्ल्ड सिटी समिट में नहीं जा पा रहे हैं और इसकी वजह से दिल्ली के साथ-साथ देश को अपमानित होना पड़ा है तो इसके जिम्मेदार सिर्फ और सिर्फ केंद्र सरकार है. दिल्ली सरकार द्वारा बयान में बताया गया कि मुख्यमंत्री की यात्रा की अनुमति संबंधी फाइल उपराज्यपाल (एलजी) को 7 जून को ही भेज दी गई थी.

एलजी करीब डेढ़ माह तक चुप बैठे रहे और 21 जुलाई को फाइल वापस लौटा दी. तब तक न सिर्फ काफी विलंब हो चुका था, बल्कि यात्रा संबंधी औपचारिकताएं पूरी करने की 20 जुलाई तक की समय सीमा भी खत्म हो चुकी थी. इससे साफ है कि केंद्र सरकार की मंशा मुख्यमंत्री को अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिल्ली में शिक्षा और स्वास्थ्य के अलावा अन्य क्षेत्रों में हुए विश्वस्तरीय कामकाज के बारे में बताने से रोकने की थी. केंद्र सरकार की मंशा बेशक पूरी हुई हो, लेकिन इससे देश को वैश्विक समुदाय के बीच जिस तरह से नीचा देखना पड़ा है, उसके जिम्मेदार भी वही है.

अनुमति न मिलने पर सीएम अरविन्द केजरीवाल

...कोई बात नहीं. उन्होंने ना किया ना सही. वे भी खुश रहें, हम भी खुश हैं. पूरी दुनिया में यह बात फैल रही है. जितने भी डिग्निटरीज आते हैं, यूएन के फॉर्मर सेक्रेट्री जनरल आए, स्वीडन और नॉर्वे के फॉर्मर प्राइम मिनिस्टर आए, मिलेनिया ट्रंप आईं. बात तो फैल रही है. अच्छा होता अगर मैं जाता और दुनिया के सामने अपनी बात रख पाता, जो अच्छा काम हो रहा है, वह रख पाता. लेकिन अगर नहीं हुआ तो कोई बात नहीं, मैं इसके लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहरा रहा.

उपराज्यपाल ने नहीं दी केजरीवाल को अनुमति

इस पूरे विवाद पर एलजी वीके सक्सेना ने सिर्फ ये कहा है कि केजरीवाल जिस बैठक का हिस्सा बनना चाहते हैं, वो मेयरों की है, वहां पर किसी भी मुख्यमंत्री की जरूरत नहीं है. इसी वजह से सीएम अरविंद केजरीवाल को सिंगापुर दौरे की मंजूरी नहीं दी गई है. एलजी ने इस बात पर भी जोर दिया है कि सिंगापुर में होने जा रही बैठक में अरबन गवर्नेंस के अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा होनी है. दिल्ली में ये सारा काम एनडीएमसी, एमसीडी और डीडीए देखता है. इसी वजह से एलजी मानते हैं कि मुख्यमंत्री का उस बैठक में शामिल होना गलत उदाहरण सेट करेगा.

"केरल के एक 22 वर्षीय युवक की शनिवार को मंकीपॉक्स से मौत हो गई. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह 21 जुलाई को यूएई से राज्य लौटा था और 27 जुलाई को उसे इंसेफेलाइटिस और बुखार होने के बाद एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था. भारत सहित अफ्रीका के बाहर मंकीपॉक्स से चार मौतों के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि इस संक्रामक बीमारी से और अधिक मौतें होने की संभावना है. डब्ल्यूएचओ यूरोप के वरिष्ठ आपातकालीन अधिकारी कैथरीन स्मॉलवुड ने एक बयान में कहा, ह्यलगातार बढ़ रहे मंकीपॉक्स के मामलों को देखते हुए और अधिक मौतें होने का अंदेशा है."

डब्ल्यूएचओ की चेतावनी

मंकीपॉक्स से और अधिक मौतें हो सकती हैं

78 देशों में फैल गया है मंकीपॉक्स

स्मॉलवुड ने जोर देकर कहा कि इस प्रकोप को रोकना होना चाहिए. हालांकि, स्मॉलवुड ने जोर देकर कहा कि ज्यादातर मामलों में यह बीमारी इलाज के बिना ही ठीक हो जाती है. नवीनतम मंकीपॉक्स का प्रकोप जो पहली बार मई में रिपोर्ट किया गया था, तब से 78 देशों में 18,000 से अधिक मामलों में फैल गया है, जो 28 जुलाई को डब्ल्यूएचओ के अंतिम अपडेट के अनुसार है. उस समय, अफ्रीका से मंकीपॉक्स से संबंधित पांच मौतों की सूचना मिली थी. पिछले हफ्ते, स्पेन से दो और ब्राजील और भारत से एक-एक मौत हुई थी.

केरल में युवक की मौत हुई

केरल के एक 22 वर्षीय युवक की शनिवार को मंकीपॉक्स से मौत हो गई. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह 21 जुलाई को यूएई से राज्य लौटा था और 27 जुलाई को उसे इंसेफेलाइटिस और बुखार होने के बाद एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था. उसके लिम्फ नोड्स भी सूज गए थे. भारत में अब तक मंकीपॉक्स के चार पुष्ट मामले सामने आए हैं, जिनमें से तीन केरल में और एक दिल्ली में है. इस बीच, केरल से भी पहला मामला दर्ज करने वाले मरीज को शनिवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई.

अगस्त में लॉन्च होंगे ये स्मार्टफोन्स

स्मार्टफोन कंपनियां भारत में लगभग हर महीने नए स्मार्टफोन्स लाती रहती है. इस बार हम आपको उन स्मार्टफोन्स के बारे बताने वाले है जो अगस्त में भारत में लॉन्च होने वाले हैं. इस लिस्ट में सैमसंग वनप्लस iQOO जैसी कंपनिया शामिल है. इनके अलावा, सैमसंग बाजार में दो फोल्डेबल फोन की घोषणा करने की भी तैयारी कर रही है.

OnePlus 10T

OnePlus 10T को 3 अगस्त को भारत में लॉन्च किया जा सकता है, और लॉन्च से पहले, कंपनी ने आगामी डिवाइस के बारे में कुछ जानकारी भी दी है. ब्रांड ने पहले ही घोषणा कर दी है कि यह 5G फोन एक स्नैपड्रैगन 8+ Gen 1 प्रोसेसर के साथ आएगा. OnePlus 10T 6.7-Ban FHD+ AMOLED डिस्प्ले के साथ आ सकता है. इसमें HDR10+ सर्टिफिकेशन के लिए सपोर्ट होने की संभावना है. इस प्रीमियम फोन में 150W फास्ट चार्जिंग के साथ 4,800mAh की बैटरी भी दी जाएगी है. भारत में OnePlus 10T की कीमत 49,999 रुपये से शुरू होने की उम्मीद है.

iQOO 9T

iQOO 9T एक फ्लैगशिप फोन है, जो 2 अगस्त को लॉन्च होगा. लेकिन, लॉन्च से पहले, कुछ लोकप्रिय ouTubers ॄfZ iQOO 9T की भारत की कीमत,और स्पेसिफिकेशंस का खुलासा किया है. इस डिवाइस में 6.78-इंच्ल की फुल-एचडी + AMOLED 120Hz स्क्रीन, क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8+ Gen 1प्रोसेसर और 120W फास्ट चार्जिंग के साथ 4,700mAh की बैटरी होगी. इसके अलावा इसमें ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है, जिसमें 50-मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर, 13-मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड-एंगल सेंसर और 12-मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट सेंसर शामिल होगा. भारत में इस फोन की कीमत 49,999 रुपये होगी.

samsung Galaxy Z Flip 4

सैमसंग 10 अगस्त को अपने लेटेस्ट गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट की मेजबानी करेगा, जहां वह samsung Galaxy Z Flip 4 फोल्डेबल फोन लॉन्च करेगा.

यह डिवाइस खोलने पर 6.7-इंच्ल की अटडछएऊडिस्प्ले और बंद होने पर 2.1-इंच्ल की AMOLED स्क्रीन देता है.

सेल्फी के लिए फ्रंट में 10 मेगापिक्सल का कैमरा हो सकता है. इसके अलावा इस फोन में 25W फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 3,700mAh की बैटरी मिल सकती है.

samsung Galaxy Fold 4

गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट में ही सैमसंग samsung Galaxy Fold 4 की भी घोषणा करेगा. इस फोल्डेबल फोन को खोलने पर 2K 7.6-इंच्ल अटडछएऊडिस्प्ले मिलेगा.

इसकी स्क्रीन में पर 120Hz रिफ्रेश रेट सपोर्ट होगा. यह स्नैपड्रैगन 8+ Gen 1 प्रोसेसर के साथ आ सकता है.

आचार्य चाणक्य ने मनुष्य के लिए धन को बुरे दौर का सबसे अच्छा मित्र बताते हुए कहा है कि जो व्यक्ति धन का सम्मान और संरक्षण करता है, वहीं आगे चल कर धनवान बनता है. बुरे समय में सबसे ज्यादा यही काम आता है, इसलिए धन का महत्व समझना जरूरी है.

धन खर्च करने से पहले इसके बारे में कई बार सोचना चाहिए

धनवान बनने के लिए धन का सही संरक्षण करना बेहद जरूरी

धन का करेंगे सम्मान तो यह बनेगा बुरे वक्त का सच्चा साथी

बनना चाहते हैं जल्द धनवान तो पहले जान लें धन का महत्व, चाणक्य ने बताई अहम बातें

नीति शास्त्र के माध्यम से आचार्य चाणक्य हर व्यक्ति का मार्गदर्शन करते हुए जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं. आचार्य ने अपनी नीति शास्त्र में सफलता के कई ऐसे सूत्र बताएं हैं, जिसे अपनाकर कोई भी व्यक्ति जीवन को सफल बना सकता है. आचार्य चाणक्य का मानना है कि जीवन को सुखमय बनाने के लिए धन की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है. धन के बगैर मानव जीवन को न तो सुखमय बनाया जा सकता है और न ही आसान. किसी भी विपत्ति के समय में धन ही सबसे बड़ा साथी होता है. लेकिन यह उसे ही मिलता है जो इसका सही से ध्यान रखता है.

सफलता में अहम भूमिका

आचार्य चाणक्य के अनुसार जीवन में धन सबसे आवश्यक साधन है. इसके माध्यम से ही जीवन को सरल और सुगम बनाया जा सकता है. जिसके पास में धन होता है उसका आत्मविश्वास भी बना रहता है. वहीं, इसके बिना जीवन के हर रास्ते मुश्किल नजर आने लगते हैं. आचार्य कहते हैं कि जीवन में सफल होने के लिए आत्मविश्वास का होना बहुत ही जरूरी है और यह आत्मविश्वास से ही प्राप्त होता है.

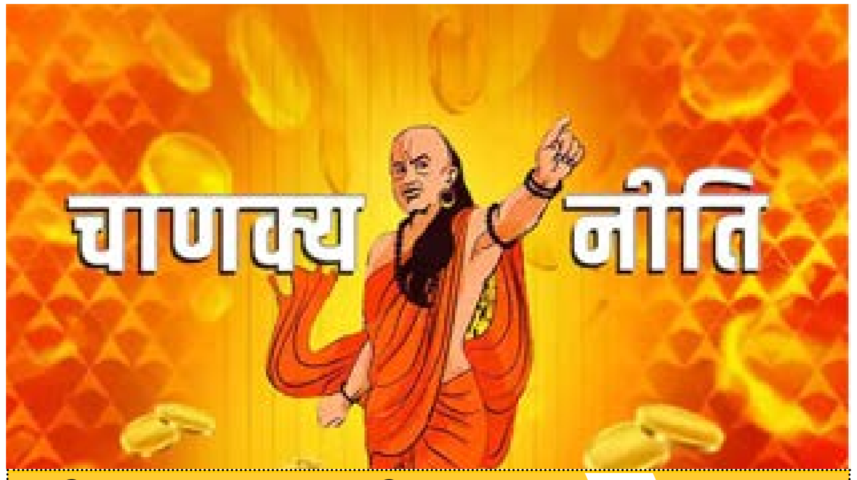

मुश्किल समय का सबसे अच्छा मित्र

चाणक्य नीति के अनुसार जीवन को आसान बनाने के लिए धन का बचत करना बहुत जरूरी है. जो लोग धन की बचत नहीं करते वे मुश्किल समय आने पर पूरी तरह से टूट जाते हैं. धन बुरे वक्त में सबसे अच्छे मित्र की भूमिका निभाता है और ऐसे समय से बाहर निकलाने में मदद करता है. ऐसे लोगों के पास मुश्किल समय ज्यादा देर तक नहीं टिकता है. ये धन की मदद से बाधाओं को पार कर जाते हैं.

धन खर्च करने से पहले सोचें

आचार्य चाणक्य कहते हैं कि व्यक्ति कितना भी धनवान हो, लेकिन मेहनत से अर्जित किए गए धन को खर्च करने से पहले उसे कई बार सोचना चाहिए. जो लोग धन को खर्च करते समय स्थिति और परिस्थिति का ध्यान नहीं रखते वे जल्द ही कंगाल होने लगते हैं और कई तरह के परेशानियों में घिर जाते हैं. इसलिए, हर व्यक्ति को धन का व्यय करने से पहले जरूर सोचना चाहिए.

महिंद्रा की नई स्कॉर्पियो-एन की बुकिंग शुरू, धूम मचाएगी ये कार

स्कॉर्पियो-एन बेस वैरिएंट की कीमत 11.99 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) और टॉप-टियर स्कॉर्पियो-एन वेरिएंट की कीमत 21.45 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) है.

रायपुर. महिंद्रा की नई स्कॉर्पियो -एन की बुकिंग शुरू हो गई है. इसकी बुकिंग शुरू होने के 30 मिनट के भीतर ही 1 लाख बुकिंग हो गई है. इसके अलावा, कंपनी को बुकिंग शुरू होने के एक मिनट के भीतर 25,000 बुकिंग मिली है. नई महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन की डिलीवरी 26 सितंबर, 2022 से शुरू होगी, क्योंकि दिसंबर 2022 तक 20,000 से ज्यादा की डिलीवरी का प्लान है, जिसमें 8छ वैरिएंट को प्रायोरिटी दी जाएगी. महिंद्रा अगस्त 2022 के अंत तक ग्राहकों को उनकी डिलीवरी की डेट बताएगी. हालांकि, महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन वैरिएंट की शुरूआती कीमतें पहली 25,000 बुकिंग के लिए लागू हैं. 2022 महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन की शुरूआती बुकिंग 21000 रुपए की टोकन अमाउंट पर शुरू हुई है.

नई स्कॉर्पियो में सनरूफ मिलेगा

महिंद्रा स्कॉर्पियो-ठ को ह्यबिग डैडी ऑफ रवश्२ह्ल के नाम से प्रमोट कर रही है. नई स्कॉर्पियो का डिजाइन पुरानी वाली से अलग है. इसे कंपनी ने मॉर्डन डिजाइन दिया है और इसका साइज भी पुरानी स्कॉर्पियो के मुकाबले बड़ा है. महिंद्रा ने अपनी नई स्कॉर्पियो में कई शानदार फीचर जोड़े हैं. लेकिन जिस फीचर की चर्चा सबसे अधिक है वो है सनरूफ. महिंद्रा ने पहली बार स्कॉर्पियो के किसी वेरिएंट में सनरूफ फीचर जोड़े हैं. इसके 8-इंह्ल की टचस्क्रीन वाला इंफोटेनमेंट सिस्टम इंटीरियर को दमदार बना रहा है. वश के खास फीचर्स में 3ऊसाउंड स्टेजिंग के साथ सोनी 12 स्पीकर ऑडियो सिस्टम, डुअल जोन क्लाइमेट कंट्रोल, 70+ कनेक्टेड कार फीचर्स, वायरलेस चार्जर, इलेक्ट्रिक सनरूफ, सेमी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल ड्राइवर सीट शामिल हैं.

कीमत 11.99 लाख रुपए से शुरू

स्कॉर्पियो-एन बेस वैरिएंट की कीमत 11.99 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) और टॉप-टियर स्कॉर्पियो-एन वेरिएंट की कीमत 21.45 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) है. नई स्कॉर्पियो को ऑनलाइन भी बुक किया जा सकता है. कंपनी चुने गए वैरिएंट के अनुसार स्कॉर्पियो-एन की डिलीवरी की तारीख तय करेगी. महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन की डिलीवरी 26 सितंबर से शुरू होगी. स्कॉर्पियो-एन को कंपनी ने 27 जून को बाजार में लॉन्च किया था.

मार्केट में टाटा सफारी और जीप कैम्पस को देगी टक्कर

इस रवश में ब्रेक लाइट को डोर पर ऊपर की तरफ दिया गया है और टेल लाइट भी सी-शेप में है. साथ ही नई स्कॉर्पियो का दरवाजा पीछे से नहीं खुलेगा. पीछे की सीट पर जाने के लिए बीच की सीट को फोल्ड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी. महिंद्रा की नई स्कॉर्पियो रवश२ के मार्केट में टञ्चहेक्टर, टाटा सफारी, हुंडई अल्काजार और जीप कॉपास को टक्कर देगी.

अमीर दोस्त हों तो बड़े होकर धनी बनते हैं बच्चे: शोध

एक शोध के बाद विशेषज्ञों का निष्कर्ष है कि अगर गरीब बच्चों को अमीर दोस्त मिलें तो उनके बड़े होकर अमीर होने की संभावना ज्यादा होती है. इस शोध का आधार फेसबुक के दोस्त थे. फेसबुक पर 21 अरब दोस्तों के अध्ययन के बाद कुछ शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला है कि अगर गरीब घरों के बच्चे ऐसे पड़ोस में बड़े होते हैं, जहां अमीर बच्चे उनके दोस्त बनें, तो बड़े होकर उनके ज्यादा कमाई करने की संभावना भी ज्यादा होती है. हालांकि यह बात पहले भी मानी जाती रही है कि अगर बच्चों के दोस्त अमीर तबके के हों तो उनके धनी होने की संभावना ज्यादा होती है, लेकिन पहली बार इतने बड़े स्तर पर इस अध्ययन को किया गया है.

पत्रिका नेचर में छपे इस अध्ययन के मुताबिक अमेरिकी शोधकर्ताओं के एक दल ने अपने सैंपल को बड़ा बनाने के लिए फेसबुक को चुना, जो दुनिया का सबसे बड़ा सोशल नेटवर्किंग डेटाबेस है. दुनियाभर में लगभग तीन अरब लोग फेसबुक इस्तेमाल करते हैं. शोधकर्ताओं ने 7.2 करोड़ लोगों के आंकड़ों का अध्ययन किया. 25 से 44 वर्ष के बीच के इन लोगों की जानकारियों को गोपनीय रखा गया. अमेरिका में रहने वाले इन लोगों के बीच दोस्ती को असली दोस्ती के अनुरूप मानकर अध्ययन किया गया. एक एल्गोरिदम के जरिए शोधकर्ताओं ने इन लोगों को सामाजिक-आर्थिक रुतबे, आयु, क्षेत्र और अन्य कई वर्गों में बांटा. उन्होंने अपने अध्ययन में यह श्रेणी भी बनाई थी कि अमीर और गरीब लोग एक दूसरे के साथ कैसे संवाद करते हैं.

इस मदरसे में बच्चे कुरान को इशारों में याद करते हैं

बधिर बच्चों का मदरसा यह बधिर बच्चों के लिए एक धार्मिक बोर्डिंग स्कूल है. यहां छात्र अरबी सांकेतिक भाषा में कुरान सीखते हैं. स्कूल में देश भर से 115 लड़के और लड़कियां हैं जो कुरान को सांकेतिक भाषा में याद कर हाफिज (कुरान कंठस्थ करने वाला) बनने का सपना देखते हैं.
दूसरे अध्ययन में इस बात का अध्ययन किया गया कि अमीर या गरीब तबकों के बच्चे किसी खास क्षेत्र में क्यों ज्यादा दोस्त बना पाते हैं. इस बात के शोधकर्ताओं को दो आधार मिले. एक तो यह कि दोनों समूहों के बीच एक-दूसरे के साथ कितना कुला संवाद होता है. मसलन, ये अलग-अलग पड़ोस में रहते हैं या फिर अलग स्कूलों में पढ़ते हैं.

कैसे हुआ शोध?

किसी व्यक्ति के अपने आर्थिक स्तर से ऊपर के कितने दोस्त थे, इस मानक को ह्यइकनॉमिक कनेक्टेडनेसह्न नाम दिया गया. इस पूरी प्रक्रिया से जो आंकड़े मिले, शोधकर्ताओं ने उन्हें इसी मसले पर पहले हुए शोध-निष्कर्षों की तुलना में रखा. साथ ही गरीबी पर हुए अध्ययनों को भी आधार बनाकर आंकड़ों का निष्कर्ष निकाला गया.
हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्री और मुख्य शोधकर्ता राज चेट्टी कहते हैं कि दो अलग-अलग आधार पर निष्कर्ष निकाले गए और नतीजे एक जैसे थे. पहले अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि इकनॉमिक कनेक्टेडनेस यह भविष्यवाणी करने का सबसे मजबूत आधार है कि कोई व्यक्ति कितनी आर्थिक प्रगति कर सकता है.

निष्कर्ष एक जैसे

शोध इस बात का भी ध्यान रखा गया कि अमीर और गरीब छात्र अगर एक स्कूल में भी जाते हों तो भी संभव है कि वे एक-दूसरे के साथ उठते बैठते ना हों. एक निष्कर्ष तो यह था कि अमीर और गरीब बच्चों के बीच दोस्ती ना हो पाने की एक वजह तो उनका संवाद ना हो पाना ही होता है. यानी संस्थान, जहां वे मिल सकते हैं, इस बात में अहम भूमिका निभाते हैं कि वे दोस्त बनेंगे या नहीं. उदाहरण के लिए चर्च आदि धार्मिक स्थल वर्गों के बीच अलगाव की रेखा बांटने में अहम भूमिका निभाने की ज्यादा संभावना रखते हैं.

ई-लर्निंग की मदद से शिक्षा के करीब आते गरीब बच्चे

शोधकर्ता उम्मीद करते हैं कि उनके निष्कर्ष अधिकारियों को भी कदम उठाने के लिए प्रेरित करेंगे. चेट्टी का अनुमान है कि अन्य देशों में इस तरह के अध्ययनों से समान नतीजे मिलेंगे. इसलिए उन्होंने विभिन्न देशों के शोधकर्ताओं से फेसबुक डेटा इस्तेमाल कर अपने यहां शोध करने का भी आग्रह किया है. ऑक्सफर्ड विश्वविद्यालय के नेओम एंग्रिस्ट कहते हैं कि यह एक अहम अध्ययन है जो सोशल कैपिटल के बारे में समझ को और गहरा करेगा.

बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी शमशेरा

रणबीर कपूर की फिल्म ह्यशमशेराह्न बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई और औंधे मुंह गिर गई. 4 साल बाद रणबीर की वापसी पर फैंस की निगाहें टिकी थीं, मगर रणबीर की ये फिल्म भी उनकी फ्लॉप फिल्मों की लिस्ट में शुमार हो गई है और इस साल की फ्लॉप फिल्मों में से भी एक बन गई. रणबीर कपूर और वाणी कपूर की फिल्म ने पहले दिन 10.25 करोड़ की ओपनिंग की मगर फिल्म ने छठें दिन फिल्म ढाई करोड़ की कमाई भी नहीं कर पाई और 2.3 करोड़ के आंकड़ों में सिमट गई. फिल्म 150 करोड़ के बड़े बजट में बनी है एक हफ्ते में फिल्म ने 50 करोड़ तो छोड़िये 40 करोड़ का आंकड़ा भी नहीं पार कर पाई. यशराज बैनर जैसे बड़े प्रोडक्शन हाउस तले बनी ये फिल्म आखिर क्यों फ्लॉप हो गई? आइए इसकी वजह तलाशते हैं.

कहानी

फिल्म की कहानी में नयापन नहीं था, स्क्रीनप्ले कमजोर था और निर्देशन भी इतना अच्छा नहीं था जो दर्शकों को सिनेमाघर तक खींचता. फिल्म को माउथ पब्लिसिटी भी नहीं मिली जिसकी वजह से भी फिल्म नहीं चली.

कॉन्सेप्ट पुराना

फिल्म के कॉन्सेप्ट में नयापन नहीं था, इस तरह की कई फिल्में हम देख चुके हैं और इसी वजह से दर्शक इस फिल्म को देखने हॉल नहीं गए.

खराब रिव्यू

फिल्म क्रिटिक की तरफ से भी फिल्म को नहीं सराहा गया, न ही पब्लिक रिव्यू अच्छे थे न फिल्म क्रिटिक्स के इसलिए भी यह फिल्म पिट गई.

केजीएफ से तुलना

फिल्म की भव्यता देखकर लोगों ने इसकी तुलना केजीएफ से की, मगर स्टोरी और स्क्रीनप्ले में यह फिल्म मात खा गई.

संजय दत्त का लुक

संजय दत्त लगातार कई फिल्मों में विलेन के रोल में नजर आ रहे हैं और हर बार उनका लुक और स्टाइल लगभग सेम है. इस फिल्म में उन्हें देखकर ऐसा लग रहा था कि उनका किरदार केजीएफ 2 से निकलकर इस फिल्म में आ गया है.

कमजोर म्यूजिक और गाने

फिल्म का एक भी गाना ऐसा नहीं था जो लोगों को याद रह जाए. न फिल्म से पहले किसी गाने का बज था, न ही मूवी रिलीज होने के बाद कोई गाना किसी को अपनी तरफ खींचने में कामयाब हुआ.

ओटीटी

जबसे ओटीटी का जमाना आया है लोग थियेटर तभी जाते हैं जब उन्हें फुल एंटरटेनमेंट की उम्मीद हो, इसलिए भी यह फिल्म देखने दर्शक नहीं गए बल्कि ओटीटी पर रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं.

प्रमोशन ठीक से नहीं हुआ

रणबीर कपूर जिस तरह ह्यब्रह्मास्त्रह्न का प्रमोशन कर रहे हैं ह्यशमशेराह्न कहीं पीछे छूट गई, फिल्म का प्रमोशन ठीक से नहीं हुआ यह भी एक वजह हो सकती है.

यदि आप अपने बढ़े हुए वजन के कारण स्टाइलिश कपड़े नहीं पहन पाते, तो ये आसान ट्रिक्स अपनाकर आप एक्स्ट्रा फैट कम कर सकते हैं. ये हैं वजन घटाने के 10 कुदरती तरीके, इन्हें आजमाकर आप अपना मोटापा आसानी से घटा सकते हैं.

ये हैं वजन घटाने के 10 आसान और कुदरती तरीके

Lose Weight Tips

1) रोजाना सुबह उठने के बाद खाली पेट एक टमाटर खाएं.
2) रोज सुबह 3 टीस्पून नींबू का रस, 1/4 टीस्पून कालीमिर्च पाउडर और 1 टीस्पून शहद को मिलाकर एक ग्लास पानी के साथ पीएं. 3 महीने तक लगातार ऐसा करें, आपको अपने फिगर में बदलाव महसूस होगा.
3) रोजाना एक ग्लास गाजर का जूस पीने से भी मोटापा नहीं बढ़ता.
4) सलाद में ढेर सारी पत्तागोभी काटकर मिलाएं. इससे भी आप स्लिम बनी रहेंगी. पत्तागोभी आसानी से पच जाती है. साथ ही इसे खाने से देर तक पेट भरा होने का एहसास होता है.
5) एक ग्लास पानी में अदरक और नींबू की स्लाइस को कुछ देर के लिए उबालें, फिर पानी छानकर पी लें (ध्यान रहे कि पानी गरम ही हो). ये मोटापे के साथ ही ओवरईटिंग से भी बचाता है.
6) चावल और आलू के ज्यादा सेवन से परहेज करें. यदि आप चावल खाए बिना नहीं रह सकतीं, तो चावल को कुकर की बजाय पतीले में बनाएं और अतिरिक्त पानी निकालकर फेंक दें.
7) कटहल, अंगूर, पपीता, पाइनेप्पल, सेब, फ्रेंच बीन्स, अंजीर, पीच, अमरूद आदि फलों को अपनी डायट में शामिल करें. ये वजन कम करने में सहायक हैं.
8) ग्रीन टी भी मोटापा कम करने में मदद करती है.
9) हफ्ते में एक बार उपवास करना भी अच्छा ऑप्शन है. इस दिन सिर्फ लिक्विड चीजें लें, इससे टॉक्सिन और एक्स्ट्रा फैट शरीर से निकल जाएगा.
10) बहुत ज्यादा नमक के सेवन से बचें, इससे वजन बढ़ता है.

रणवीर सिंह ने कराया न्यूड फोटो शूट, दर्ज हुई एफआईआर

" रणवीर सिंह ने हाल ही में न्यूड फोटोशूट करवाया है, इस फोटोशूट के बाद सोशल मीडिया दो हिस्सों में बंट गया, कुछ रणवीर सिंह का सपोर्ट कर रहे हैं वहीं कुछ लोग ऐसे हैं जो रणवीर सिंह पर भावनाएं आहत करने का आरोप लगा रहे हैं. "

रणवीर सिंह ने एक मैगजीन के लिए न्यूड फोटो पोज दिया था और तस्वीरें ऑनलाइन शेयर की. जिसके बाद कई लोगों ने एक्टर पर भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया और पुलिस में शिकायत दर्ज की, आज पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है. अभिनेता के खिलाफ आईपीसी की धारा 292,293,297 और आईटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है.

चेंबूर पुलिस थाने के अलावा दो और शिकायतकताओं ने शिकायत की है और रणवीर सिंह को कानूनी नोटिस भेजा गया है. अभिनेता के खिलाफ आईपीसी की धारा 292,293,297 और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है. केस दर्ज कराने वाली शिकायतकर्ता का आरोप है कि रणवीर की न्यूड तस्वीरें देखकर उन्हें मानसिक आघात पहुंचा और उनकी भावनाएं आहत हुईं.

बॉलीवुड अभिनेता के खिलाफ पुलिस में शिकायत

मुंबई पुलिस में सोमवार को दो आवेदन दायर कर बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की सोशल मीडिया पर नग्न तस्वीरों के जरिए ह्यमहिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंचानेह्ल के आरोप में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई. पूर्वी मुंबई उपनगर में स्थित एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) के एक पदाधिकारी और एक महिला वकील द्वारा चेंबूर पुलिस स्टेशन में अलग से शिकायत आवेदन प्रस्तुत किए गए थे. उन्होंने अभिनेता के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करने की मांग की.

रणवीर सिंह ने अपनी न्यूड तस्वीरों से इंटरनेट पर मचाया तहलका

पेपर मैगजीन के लिए रणवीर के फोटोशूट की तस्वीरें 21 जुलाई को ऑनलाइन पोस्ट की गईं. तस्वीरों में रणवीर बिना कपड़े पहने नजर आ रहे हैं.

रणवीर सिंह की फिल्में

वर्क फ्रंट की बात करें तो रणवीर को हाल ही में नेटफ्लिक्स के इंटरेक्टिव स्पेशल रणवीर वर्सेज वाइल्ड विद बेयर ग्रिल्स में देखा गया था, जिसे दुनिया भर के नेटिजन्स से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था. फिल्मों की बात करें तो रणवीर रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनने वाली अगली फिल्म सर्कस में नजर आएंगे वहीं वो आलिया के साथ रॉकी रॉनी की लव स्टोरी में भी नजर आएंगे.

तो अब सवाल ये है की रणवीर सिंह के मामले में आगे क्या होगा?

एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने कहा है कि वे मामले की जांच कर रहे हैं और अब तक मिली जानकारी के मुताबिक रणवीर सिंह के खिलाफ फौरी तौर पर किसी तरह की कार्रवाई का इमकान नहीं है. बताया जा रहा है कि इस मामले में पुलिस एक्टर का बयान दर्ज करेगी, हालांकि रणवीर सिंह के पास अदालत का दरवाजा खटखटाने व केस खत्म करने की मांग करने का ऑप्शन भी है. तो अभी इस मामले में रणवीर सिंह का रिएक्शन आना बाकी है. देखना होगा की वो किस तरह इस मामले को डील करते हैं.

ऑस्ट्रेलिया में वैज्ञानिकों ने एक तरीका खोजा है जिससे शरीर में ही इंसुलिन दोबारा बनने लगे. हालांकि शोध अभी शुरूआती दौर में है लेकिन डायबिटीज के पक्के इलाज की दिशा में अहम कदम बढ़ाया गया है. ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी में हुए अपने तरह के इस पहले अध्ययन में एक ऐसा रास्ता खोजा गया है जिसके जरिए ऐसी प्रक्रिया तैयार की जा सकती है कि पेंक्रियाटिक स्टेम कोशिकाओं में इंसुलिन अपने आप बनने लगे. अगर ऐसा हो पाता है तो टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज के इलाज में यह क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है. इस शोध में शोधकताओं ने टाइप 1 डायबिटीज के मरीज द्वारा दान की गईं पेंक्रियाज कोशिकाओं पर अध्ययन किया. उन्होंने अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा मंजूरशुदा एक दवा का इस्तेमाल किया, जो अभी डायबिटीज के इलाज में प्रयोग नहीं की जाती. शोधकताओं ने इस दवा के जरिए पेंक्रियाज स्टेम कोशिकाओं को दोबारा सक्रिय करने और ह्नइंसुलिन एक्सप्रेसिंगह्न बनाने में कामयाब रहे.

ये वैज्ञानिक कामयाब रहे

तो नहीं रहेगी इंसुलिन के इंजेक्शन की जरूरत

शोधकताओं का कहना है कि अभी इस दिशा में और शोध की जरूरत है लेकिन कामयाब होने पर इसका इलाज डायबिटीज को ठीक करने में हो सकता है. इस तरीके से टाइप 1 डायबिटीज के कारण नष्ट हो गईं कोशिकाओं की जगह नई कोशिकाएं ले लेंगी जो इंसुलिन का उत्पादन कर सकेंगी.

ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी में डायबिटीज विशेषज्ञ प्रोफेसर सैम अल-ओस्ता और डॉ. इशांत खुराना ने यह शोध किया है. पूरी तरह कामयाब होने पर यह शोध डायबिटीज के मरीजों की इंसुलिन का इंजेक्शन लेने की जरूरत को खत्म कर सकता है. सिर्फ ऑस्ट्रेलिया में ही हर रोज औसतन सात बच्चों में डायबिटीज का पता चलता है जिसके कारण उन्हें नियमित रूप से खून की जांच और इंसुलिन के इंजेक्शन पर निर्भर रहना पड़ता है, क्योंकि उनका पेंक्रियाज ठीक तरह से काम नहीं कर पाता और इंसुलिन नहीं बना पाता.

खतरनाक हो चुकी है डायबिटीज

दुनियाभर में डायबिटीज के मामले 50 करोड़ को पार कर चुके हैं और यह रोग सबसे खतरनाक बीमारियों में शामिल है. इस रोग के लिए समुचित इलाज भी उपलब्ध नहीं है जो दुनियाभर के शोधकताओं के सामने एक बड़ी चुनौती है. प्रोफेसर अल-ओस्ता ने एक बयान में कहा, हम समझते हैं कि हमारा शोध बहुत खास है और नया इलाज खोजने की दिशा में एक अहम कदम है.

नेचर पत्रिका में छपे इस शोध के मुताबिक पेंक्रियाज की मरी हुई कोशिकाओं की जगह नई कोशिकाओं को सक्रिय करने के लिए शोधकताओं को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा. आमतौर पर माना जाता है कि एक बार खराब हो जाने के बाद पेंक्रियाज को ठीक नहीं किया जा सकता. प्रोफेसर अल-ओस्ता बताते हैं कि जब तक किसी व्यक्ति में टाइप वन डायबिटीज (टी1डी) का पता चलता है, तब तक इंसुलिन बनाने वाले उसकी बहुत सारी पेंक्रियाज बीटा कोशिकाएं नष्ट हो चुकी होती हैं.

पहचानें डायबिटीज के शुरूआती संकेत

दो किस्म का डायबिटीज

डायबिटीज दो प्रकार हैं, टाइप-1 और टाइप-2. टाइप-1 आनुवांशिक होता है, यह बच्चों और युवाओं में देखने को मिलता है. लेकिन इसके मामले बहुत ही कम होते हैं. टाइप-2 डायबिटीज ज्यादा जीवनशैली से जुड़ा है और दुनिया भर में तेजी से फैल रहा है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रोफेसर अल-ओस्ता बताते हैं, 'इस अध्ययन से पता चला है कि डायबिटीज ग्रस्त पेंक्रियाज इंसुलिन बनाने के अयोग्य नहीं हो जाता.' वह कहते हैं कि मरीजों को रोज इंसुलिन का इंजेक्शन लेने पर निर्भर होना पड़ता है, जो इंसुलिन उनके पेंक्रियाज में बन सकती थी. अल-ओस्ता कहते हैं, 'इसका एकमात्र प्रभावी विकल्प पेंक्रियाटिक आइलेट ट्रांसप्लांट है. इससे डायबिटीज के मरीजों की सेहत के लिए नतीजे तो बेहतर मिले हैं लेकिन ट्रांसप्लांट किसी द्वारा दान पर निर्भर करता है, इसलिए इसका ज्यादा प्रयोग नहीं हो पा रहा है.'

शोध में शामिल रहे एक अन्य विशेषज्ञ डॉ. अल-हसानी कहते हैं कि दुनिया की आबादी लगातार बूढ़ी हो रही है और टाइप 2 डायबिटीज को लेकर चुनौतियां बढ़ रही हैं जो मोटापे में वृद्धि से भी जुड़ा है, और इसलिए डायबिटीज के इलाज की जरूरत बहुत ज्यादा है.

डॉ. अल-हसानी कहते हैं, 'मरीजों तक इसे पहुंचाने से पहले कई तरह के मसलों के हल की जरूरत है. इन कोशिकाओं को परिभाषित करने के लिए और ज्यादा काम करने की जरूरत है. मुझे लगता है कि इलाज अभी काफी दूर है. लेकिन यह एक पक्के इलाज की दिशा में अहम कदम हो सकता है.

तो क्या सच में शादी करने वाले है सुष्मिता और ललित ?

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री सुष्मिता सेन पिछले कुछ समय से ललित मोदी के साथ रिश्ते को लेकर चर्चाओं में चल रही हैं. आईपीएल फाउंडर ललित मोदी ने सोशल मीडिया के जरिए फोटोज शेयर करते हुए बताया था कि वो दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं. जिसके बाद अभिनेत्री को काफी ट्रोल होना पड़ा था. हालांकि बाद में सुष्मिता ने भी ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया था.

बॉलीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन पिछले काफी दिनों से अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं. उनका नाम आए दिन मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक उछलता रहता है. भारत में भगौड़े के नाम से मशहूर ललित मोदी ने जब से अभिनेत्री के साथ अपने रिश्ते का खुलासा किया है, तभी से दोनों का नाम सोशल मीडिया पर आए दिन उछलता रहता है. सुष्मिता सेन को भी इसके कारण बुरी तरह से ट्रोल किया जा रहा है. नेटिजन्स उनके रिश्ते से लेकर उनके कैरेक्टर तक पर सवाल उठा रहे हैं. इतना ही नहीं लोग अभिनेत्री की पोस्ट पर अभद्र टिप्पणी भी कर रहे हैं. हालांकि, अभी तक सुष्मिता की तरफ से अपने रिश्ते पर कोई भी बयान जारी नहीं किया गया है. पिछले काफी समय से यह सब झेल रहीं सुष्मिता ने आज पहली बार लाइव आकर ट्रोल्स को जमकर लताड़ा है.

आईपीएल के जनक और पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी से नाम जुड़ने के बाद आज पहली बार सुष्मिता सेन लाइव आई थीं. इस लाइव में अभिनेत्री ने ट्रोल करने वालों को मुंहतोड़ जवाब देते हुए साफ कर दिया है कि अब उनके सिर से पानी ऊपर जा चुका है. पिछले काफी समय से उनके चुप रहने का मतलब यह नहीं है कि वह कमजोर हैं या ट्रोल्स को जवाब नहीं दे सकती हैं. आज पहली बार ललित मोदी के साथ अफेयर की चर्चा के बाद सुष्मिता ने खुलकर बात की और बताया की सोशल मीडिया उनका घर है. वह बोलीं, ह्यसोशल मीडिया एक बहुत प्यारी और खुशहाल जगह है, जहां लोग अपनी तस्वीरों के माध्यम से अपनी जिंदगी और लोगों के साथ साझा करते हैं. लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो इसे गंदा करना चाहते हैं. पर वो मुझे बिल्कुल पसंद नहीं हैं. यह सोशल मीडिया मेरा घर है और मुझे पिछले कुछ हफ्तों में अपने इस घर की सफाई करके बहुत अच्छा लगा. इसीलिए इस घर को साफ करना जरूरी है और यहां जो कचरा हो गया है उसे हटाना भी जरूरी है. अभिनेत्री ने प्यार-प्यार में बहुत कुछ कह डाला, जिससे साफ पता लग रहा था कि पिछले दिनों हुई घटनाओं ने उन्हें बहुत आहत किया है. वह बोलीं की मैं इसलिए ज्यादा कुछ नहीं बोलती क्योंकि मुझे लोगों की बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता है. लेकिन लगातार मेरे खिलाफ बोला जा रहा है, मुझे ट्रोल किया जा रहा है तो उसके खिलाफ आवाज उठाना बहुत जरूरी हो गया है. सुष्मिता ने कहा, ह्य जिसे जो सोचना है, जो बोलना है बोलता रहे सबकी अपनी सोच है, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है.ह्ण इसके बाद उन्होंने फैंस के सवालों का जवाब दिया और चली गईं. आपको बता दें कि सुष्मिता सेन आए दिन सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करती रहती हैं, बीते दिन अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा की थी. इस पोस्ट में उन्होंने लेबनान के मशहूर लेखक खलील गिबरान की एक कविता शेयर की थी. इस कविता को साझा करते हुए सुष्मिता ने लिखा, ह्यडर से साहस की यात्रा....कहीं गुम हो जाने के डर से हिम्मतवाला बनने तक.ह्ण इतना ही नहीं इसके अलावा कुछ दिनों पहले वह अपने एक्स बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल के साथ अपनी मां की बर्थडे पार्टी में मस्ती करते हुए भी स्पॉट की गईं थीं. तब भी ट्रोल्स ने उनपर तरह तरह के सवाल उठाए थे. आज अभिनेत्री ने इस तरह से लाइव आकर अपनी बात रखकर है, ट्रोल्स को आढ़े हाथों लिया है. अब देखन यह होगा कि इस लाइव का सोशल मीडिया यूजर्स पर क्या असर पड़ता है.

अक्षय और टाइगर ने फिल्में फ्लॉप करने के बाद हुए सस्ते

बॉलीवुड सितारों से लेकर फिल्ममेकर्स तक सभी इस वक्त ये नहीं समझ पा रहे हैं कि उनकी बनाई हुई फिल्में आखिरकार बॉक्स ऑफिस पर क्यों नहीं चल रही हैं. बीते वक्त में रिलीज हुईं सभी फिल्में सिनेमाघरों में दम तोड़ती हुई नजर आईं. ऐसे में इंडस्ट्री का ये हाल देखते हुए अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ने एक बड़ा कदम उठाया है. फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में पहली बार अक्षय और टाइगर की जोड़ी साथ पर्दे पर नजर आने वाली है.

फिल्म में जहां अक्षय जहां बड़े मियां के रोल नजर आएंगे वहीं टाइगर श्रॉफ छोटे मियां का किरदार निभाते हुए दिखाई देंगे. इस फिल्म को डायरेक्टर अली अब्बास जफर डायरेक्ट कर रहे हैं. वहीं वाशु भागनानी और पूजा एंटरटेरमेंट इस फिल्म को प्रड्यूस कर रहे हैं . फिल्म शुरूआती वक्त से लगातार चर्चा में छाई थी. खासतौर पर सितारों की फीस को लेकर. मेकर्स ने इन दोनों बड़े सितारों को रिकॉर्ड प्राइस पर साइन किया है.

मिली जानकारी के अनुसार इस फिल्म के लिए जहां अक्षय कुमार को 144 करोड़ रुपए दिए जा रहे हैं. वहीं टाइगर को 45 करोड़ रुपए में साइन किया गया है. लेकिन इन दोनों ही सितारों की पिछली रिलीज हुई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप साबित हुईं. हीरोपंती 2, बच्चन पांडे और सम्राट पृथ्वीराज के फ्लॉप होने के बाद अब मेकर्स के लिए सितारों की फीस एक बड़ा मुद्दा बन गया है.

खबरों की मानें तो – मेकर्स ने फिल्म को ठंडे बस्ते में डाल दिया था. लेकिन फिर अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ने अपनी-अपनी फीस को कम करने का फैसला किया. दोनों सितारों ने अपनी फीस कम करके मेकर्स के लिए बजट हल्का कर दिया है. ये फिल्म 2023 में क्रिसमस के मौके पर रिलीज की जाएगी. फिलहाल फिल्म की शूटिंग लोकेशन पर काम किया जा रहा है. फरवरी में फिल्म की टीजर भी शेयर किया गया था. जहां अक्षय और टाइगर दमदार एक्शन अवतार में नजर आ रहे थे.

माह : अगस्त 2022

राशिफल

मेष

इस महीने आपके धन और परिवार का स्वामी शुक्र होगा, सुख-शांति का स्वामी सूर्य होगा. जिसके कारण आपका जीवन अच्छा रहेगा. आर्थिक लाभ होगा. करियर में सुधार होगा. मेहनत होगी, लेकिन मेहनत का फल भी मिलेगा. कर्ज लेने और देने दोनों से बचना है क्योंकि इस महीने आपको धन की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है. इस महीने विदेश यात्रा या व्यापार यात्रा का बढ़िया संयोग बन रहा है.

वृष

इस महीने सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है. परिवार के साथ रिश्तों में सुधार होने की संभावना है. करियर में बढ़िया प्रदर्शन कर सकते हैं. आर्थिक जीवन भी अच्छा रहेगा. रुके हुए सभी कार्य बन जाएंगे. मानसिक तनाव जैसी समस्याएं आ सकती हैं, जिससे तबीयत खराब हो सकती है. पुराने फंसे कर्ज वापिस मिलने की संभावना है, जिससे आमदनी ज्यादा होगी.

मिथुन

यह महीना मिथुन वालों के लिए अच्छा रहेगा. रुके हुए धन की प्राप्ति होगी, जिससे आर्थिक लाभ होगा. वहीं करियर के क्षेत्र में ऊंचा पद मिलने की संभावना है. घर के बड़े-बुजुर्गों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा. कार्यक्षेत्र में अड़चनों से छुटकारा मिल सकता है. यात्रा के दौरान सेहत खराब होने की संभावना है, जिससे मिथुन वालों को सेहत का खास ख्याल रखना है. वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ने की संभावना है.

कर्क

महीना काफी व्यस्तता में निकलेगा. जो भी विदेश से संबंधित नौकरी कर रहे है, उनके आर्थिक लाभ में बढ़ोतरी होगी. अच्छी नौकरी मिलने की संभावना है. शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर परिणाम मिलने की संभावना है. पिता की संपत्ति से अच्छा लाभ होगा. पुरानी बीमारी से छुटकारा मिल सकता है. परिवार के साथ धर्म कर्म के कामों में ध्यान रहेगा.

सिंह

सिंह वालों के लिए यह महीना अच्छा रहेगा. कुछ क्षेत्रों में अच्छा परिणाम मिलने की संभावना है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है. व्यापार से आर्थिक लाभ होने की संभावना है. सेहत का खास ख्याल रखना है. आर्थिक रूप से मजबूती आएगी. जमीन-जायदाद खरिदने का योग बन रहा है. आप परिवार के साथ लंबी यात्रा की योजना बना सकते हैं, जिससे परिवार के साथ अच्छे संबंध बनेंगे.

कन्या

इस महीने जीवन में काफी उतार-चढ़ाव होंगे. सेहत को लेकर काफी सतर्क रहने की जरूरत है. इस महीने आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी. जो लोग शेयर मार्किट से जुड़े हैं, उन्हें भी आर्थिक लाभ होने की संभावना है. करियर में अच्छे परिणाम मिलेंगे. पुराना रुका हुआ काम पूरा हो सकता है. जो लोग नौकरी की तलाश में हैं, उन्हें नौकरी मिलने की संभावना है.

तुला

यह महीना काफी उतार चढ़ाव वाला रह सकता है, लेकिन आर्थिक रूप से काफी मजबूत होगा. इस महीने धन प्राप्ति के अच्छे संयोग बन रहे हैं. कर्ज लेने और देने से बचना है वरना आपको आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है. करियर के क्षेत्र में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है. परिवार के साथ छोटी-छोटी बातों पर नोक-झोंक हो सकती है. नौकरी में ऊंचा पद मिलने की संभावना है.

वृश्चिक

यह महीना आर्थिक रूप से अच्छा रहेगा. धर्म-कर्म के कार्यों में भी आर्थिक लाभ हो सकता है. शिक्षा और करियर में सफलता मिलेगी. लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है. जो लोग सरकारी नौकरी से जुड़े हुए है, उन्हें भी आर्थिक लाभ हो सकता है. परिवार के साथ मनमुटाव खत्म हो जाएंगे. महीने के मध्य में बेकार के विवादों से बचें. इस महीने कर्ज के लेन-देन से बचें वरना आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ सकता है.

धनु

इस महीने आर्थिक जीवन में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं. करियर के नजरिए से यह महीना अच्छा रहने वाला है. आर्थिक क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. लंबे समय से रुके हुए काम से धन की प्राप्ति हो सकती है. पिता की संपत्ति से लाभ होने की संभावना है. खर्चें ज्यादा होने की संभावना है.

मकर

यह महीना मकर वालों के लिए अच्छा रहने वाला है. आर्थिक जीवन में अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है. धन प्राप्ति के आपके पास नए रास्ते खुलेंगे. परिवार से भी आर्थिक सहयोग मिल सकता है. आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसायों में भी सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है. व्यापार के लिए विदेशी यात्रा का संयोग बन रहा है.

कुम्भ

महीने की शुरूआत में धन प्राप्ति होने की संभावना है. आर्थिक जीवन बेहतर रहने की संभावना है. आय के नए रास्ते खुलने की संभावना है. नौकरी कर रहे लोगों के लिए भी नए अवसर आ सकते हैं. करियर में भी सफलता मिल सकती है. व्यवसाय में अच्छा मुनाफा हो सकता है. साझेदारी में व्यवसाय करने की संभावना है. साझेदार का ईमानदार रहेगा. मेहनत का फल अच्छा मिलेगा.

मीन

आर्थिक जीवन में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं. खर्चों को रोकने की जरूरत है. यह महीना करियर के लिहाज से सकारात्मक परिणाम दे सकता है. फिजूलखर्ची पर लगाम पाने की जरूरत है. जरूरत होने पर ही धन को खर्च करें. नौकरी में कई नए अवसर प्राप्त हो सकते है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा.

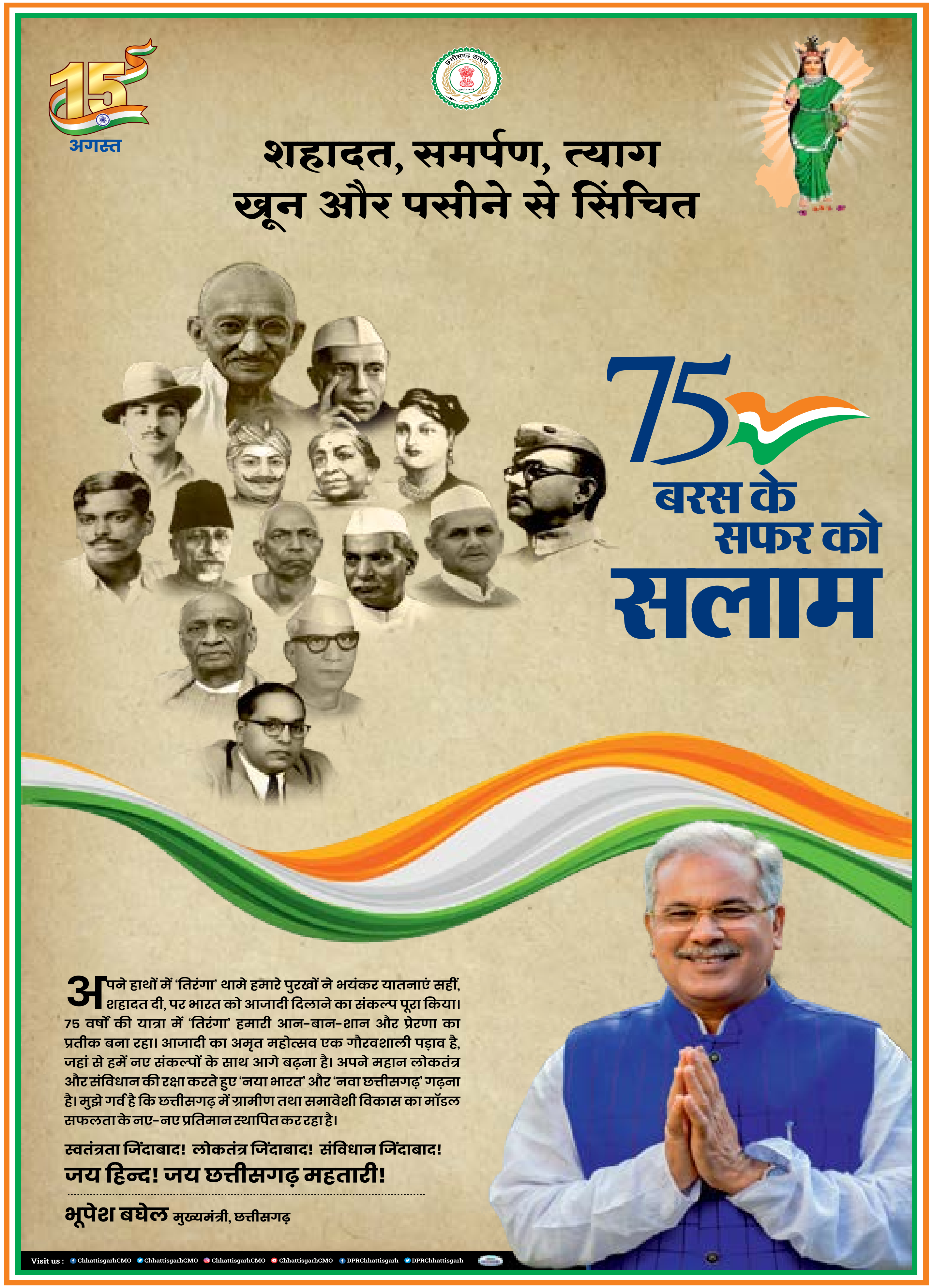
15 अगस्त
शहादत, समर्पण, त्याग
खून और पसीने से सिंचित
75 बरस के सफर को सलाम
अपने हाथों में 'तिरंगा' थामे हमारे पुरखों ने भयंकर यातनाएं सहीं, शहादत दी, पर भारत को आजादी दिलाने का संकल्प पूरा किया। 75 वर्षों की यात्रा में 'तिरंगा' हमारी आन-बान-शान और प्रेरणा का प्रतीक बना रहा। आजादी का अमृत महोत्सव एक गौरवशाली पड़ाव है, जहां से हमें नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ना है। अपने महान लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करते हुए 'नया भारत' और 'नवा छत्तीसगढ़' गढ़ना है। मुझे गर्व है कि छत्तीसगढ़ में ग्रामीण तथा समावेशी विकास का मॉडल सफलता के नए-नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है।
स्वतंत्रता जिंदाबाद! लोकतंत्र जिंदाबाद! संविधान जिंदाबाद!
जय हिन्द! जय छत्तीसगढ़ महतारी!
भूपेश बघेल मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh

R.o no- 12115/2